हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्ष: 8, अंक: 129, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 नवम्बर, 2023 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

भारतीय सेना ने लांच किया ध्रुव हेलीकॉप्टर का कॉम्बेट वर्जन, अब दुश्मनों की खैर नहीं

नई दिल्ली। भारतीय सेना की एविएशन यूनिट ने एक ध्रुव हेलीकॉप्टर का कॉम्बेट वर्जन लांच किया है। इसके जरिए रविवार को नई पीढ़ी की रॉकेट और गोला-बारूद प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। यह पहला स्वदेशी विकसित अटैक हेलिकॉप्टर है, जिसका नाम 'रुद्र' रखा गया है। स्पीयर कॉर्प्स ने एक्स पर पोस्ट में कहा, 'भारतीय सेना ने पहले स्वदेशी लड़ाकू हेलीकॉप्टर रुद्र से नई पीढ़ी के रॉकेट और गोला बारूद दागे। पहाड़ों पर यह प्लेटफार्म असरकारक है। इसमें इसकी स्ट्राइक क्षमता और घातकता बढ़ जाती है। कोर कमांडर ने एविएटर्स को उनकी व्यावसायिकता और ऑपरेशनल प्रिपेयर्डनेस के लिए बधाई दी।'

पिछले साल, भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना ने 24 घंटे की अवधि के भीतर हेलिना मिसाइल के दो सफल परीक्षण किए थे। हेलिना मिसाइल का परीक्षण हाल ही में प्राप्त लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर (एलसीएच) से लॉन्च करके किया गया। इस मिसाइल का परीक्षण अधिक ऊंचाई और दूरी पर किया गया। इससे एक हफ्ते पहले, भारतीय सेना ने हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) प्रचंड की 70 मिमी रॉकेट और 20 मिमी बुर्ज गन की सफलतापूर्वक उद्घाटन फायरिंग की थी। ध्रुव अत्याधुनिक तकनीकों जैसे हिंज लेस इंटरचेंजेबल मेन रोटर ब्लेड्स, बियरिंग लेस टेल रोटर ब्लेड्स, एंटी रेजोनेंस वाइब्रेशन आइसोलेशन सिस्टम और महत्वपूर्ण प्रणालियों के लिए निर्मित रिडंडेंसीज के साथ लैस है। यह समुद्र तल से लेकर हिमालय की ऊंची ऊंचाइयों के साथ-साथ अत्यधिक तापमान रेंज में रेगिस्तान और खारे वायुमंडलीय स्थितियों में विभिन्न ऊंचाइयों पर संचालन के लिए एक आदर्श हेलिकाप्टर है। ध्रुव को बुनियादी उपयोगिता संस्करण से लेकर मिशन और हथियार प्रणालियों के फिटमेंट के साथ 5.8 टन वर्ग में रुद्र नामक हथियार में विकसित किया गया है।

'केंद्र में तानाशाही शासन को हटाने के लिए इंडिया गठबंधन का गठन', सामना में बोली उद्धव शिवसेना

मुंबई। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में लगातार असंतोष की खबरें आ रही हैं। इस पर उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना ने सोमवार को कहा कि यह गठबंधन केंद्र में 'तानाशाही शासन' को हटाने के लिए बनाया गया है। राज्यों में राजनीति अलग है। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा गया कि इस महीने पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए एक रिहर्सल है। यह भी कहा गया है कि कांग्रेस सभी पांच चुनावी राज्यों (राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम) में एक प्रमुख पार्टी है। संपादकीय में कहा गया, 'सत्ता के दुरुपयोग को रोकने और धन के अहंकार को चूर करने के लिए कांग्रेस का चुनाव जीतना बहुत जरूरी है। यह इंडिया गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण होगा।' इसमें पार्टी ने यह भी विश्वास जताया कि इंडिया गठबंधन अगले साल लोकसभा चुनाव जीतेगा। सामना में आगे कहा गया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चिंताएं जायज हैं। गौरतलब है, सीएम नीतीश कुमार ने पटना में पिछले सप्ताह कहा था कि 'कांग्रेस पार्टी को विपक्षी एकता से कोई मतलब नहीं है। आजकल 'इंडिया' को लेकर कोई काम नहीं हो रहा है। हम सबको एकसाथ लेकर चलते हैं। कांग्रेस पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों में व्यस्त है। कांग्रेस पार्टी इंडिया गठबंधन पर कतई ध्यान नहीं दे रही है।' हालांकि, सामना में कहा गया है कि भाजपा का मुकाबला करने के लिए 28 विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कुमार को अपनी चिंता सार्वजनिक रूप से जाहिर नहीं करनी चाहिए क्योंकि इससे सत्ताधारी लोग खुश होंगे।

जलवायु परिवर्तन की समस्या को बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों से दूरी बनाएं: राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि खाने-पीने की ऐसी चीजों से दूर रहने की जरूरत है जो जलवायु परिवर्तन की समस्या को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे खाद्य पदार्थों को चुनने की जरूरत है जो प्रकृति को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। राष्ट्रपति राष्ट्रीय राजधानी में तीन दिवसीय वर्ल्ड फूड इंडिया कार्यक्रम के समापन सत्र को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति मुर्मु ने दुनिया के कई हिस्सों में भूख की समस्या पर भी चिंता व्यक्त की और कहा कि बड़े पैमाने भुखमरी का बढ़ना वितरण की कमी के कारण है क्योंकि दुनिया पर्याप्त भोजन का उत्पादन कर रही है। उन्होंने कहा कि हम जो खाते हैं हमें उसके पर्यावरणीय मूल्य को भी ध्यान में रखना चाहिए। पिछली पीढ़ियों को इस संदर्भ में चिंता करने की जरूरत नहीं थी। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं।

संसदीय समिति ने आपराधिक कानूनों पर बनी रिपोर्ट अपनाई, विपक्षी सदस्यों ने जताई असहमति

नई दिल्ली। गृह मामलों की एक संसदीय समिति ने मौजूदा आपराधिक कानूनों को बदलने वाले विधेयकों पर तीन रिपोर्टों को अपना लिया है। हालांकि, कुछ विपक्षी सदस्यों ने असहमति के नोट सौंपे हैं। भाजपा सदस्य बृज लाल की अध्यक्षता में गृह मामलों की संसदीय समिति की बैठक के लगभग 10 दिन बाद सदस्यों ने पिछले महीने के अंत में प्रसारित मसौदा रिपोर्टों का अध्ययन करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। संसदीय सूत्रों ने कहा कि कुछ विपक्षी सदस्यों ने पहले ही भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को भारतीय

न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के साथ बदलने के लिए तीन विधेयकों पर रिपोर्ट पर अपने असहमति नोट जमा कर दिए हैं। सूत्रों ने कहा कि कुछ और विपक्षी सदस्यों द्वारा नियमानुसार अगले दो दिनों में असहमति नोट जमा करने की उम्मीद है। 27 अक्टूबर को, गृह संबंधी स्थायी समिति तीन मसौदा रिपोर्टों को नहीं अपना सकी, क्योंकि कुछ विपक्षी सदस्यों ने इसका अध्ययन करने के लिए अधिक समय देने का दबाव डाला था।

'भारत-कनाडा रिश्ते सबसे खराब दौर से गुजर रहे', वीजा प्रतिबंधों में ढील के बाद भी विशेषज्ञों की राय

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के बाद से ही भारत और कनाडा के रिश्तों में खटास आई है। पीएम ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत की खुफिया एजेंसी है। जिसके बाद से ही दोनों देशों के संबंधों में दरार आ गई। कई विशेषज्ञों का मानना है कि भारत और कनाडा के रिश्ते अपने सबसे खराब दौर से गुजर रहे है। अधिकारियों और विशेषज्ञों की माने तो कनाडाई लोगों पर कुछ वीजा प्रतिबंधों को कम करने के नई दिल्ली के आश्चर्यजनक कदम के बावजूद अभी भी भारत और कनाडा के बीच खराब राजनयिक संबंधों को सुधरने की एक लंबी प्रक्रिया होगी। दोनों देशों के विशेषज्ञों ने कहा, वीजा पर भारत की छूट से संबंधों में सुधार की कुछ उम्मीदें बढ़ गई हैं, लेकिन यह कोई सफलता नहीं है, क्योंकि किसी भी पक्ष के पास सामान्य स्थिति में वापसी के लिए ज्यादा प्रोत्साहन नहीं है। कनाडा में हत्या की जांच की जा रही है। पीएम मोदी मई तक भारतीय राष्ट्रीय चुनावों की तैयारी कर रहे हैं, इसलिए न तो नई दिल्ली और न ही ओटावा जल्द ही सुलह के लिए कोई नाटकीय कदम उठाएंगे। वाशिंगटन के विल्सन सेंटर में साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक माइकल कुगेलमैन ने कहा, संबध गहरे संकट में है, शायद यह अब तक का सबसे खराब संकट है। संकट पूरी तरह से काबू से बाहर न हो, इसमें प्रत्येक पक्ष की गहरी रुचि हो सकती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि संकट को हल करने के लिए यह मजबूत कदम हैं। 2020 से 2022 तक कनाडा में भारत के राजदूत अजय बिसारिया ने कहा, शांत कूटनीति के बाद संबंध डी-एस्केलेशन चरण में है।

'हमने एक सीट दी तो सरकार बनी...', सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस को दिलाई याद

दमोह। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी में आई.एन.डी.आई. गठबंधन ने कमर कस ली है। समाजवादी पार्टी भी विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है लेकिन मध्य प्रदेश में सपा और कांग्रेस आमने-सामने खड़े हैं। इस समय सपा नेता अखिलेश यादव का जोर आई.एन.डी.आई. से ज्यादा पी.डी.ए. (पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक) पर है। सोमवार को मध्य प्रदेश के दमोह में मीडिया से बातचीत करते हुए सपा नेता ने कहा," "पीडीए ('पिछड़े', दलित और 'अल्पसंख्यक') इंडिया गठबंधन की ताकत बनेगी। यह पीडीए की ताकत ही है जो बीजेपी को दिल्ली से धीरे-धीरे हटा सकती है।" उन्होंने आगे कहा,"अगर आई.एन.डी.आई. गठबंधन की कोई रणनीति है तो वह हमारी पीडीए है। भाजपा को लोकतंत्र में भरोसा नहीं है, वह 'लूटतंत्र' में विश्वास करती है।" अखिलेश यादव ने आगे कहा,"पिछड़े दलित और

अल्पसंख्यक आदिवासी और मुसलमान भाई ही देश को भाजपा से बचा सकते हैं। अखिलेश यादव ने कहा जनता ने सरकार बनाई दूसरे दल की लेकिन इन्होंने (बीजेपी) विधायक लूट लिए।" मध्य प्रदेश में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव लगातार कमलनाथ सरकार पर हमला करते हुए कांग्रेस को वोट न देने की अपील कर रहे हैं। सोमवार को अखिलेश यादव ने पिछले विधानसभा चुनाव को याद करते हुए कहा," समाजवादी पार्टी की एक सीट थी, जिसने कांग्रेस की भी सरकार बनवाई थी। अगर आपको याद हो कि कांग्रेस के लोग जब समर्थन ढूंढ रहे थे तो सबसे पहले कांग्रेस को समाजवादियों ने समर्थन दिया था। इसके बाद गवर्नर साहब ने कांग्रेस को बुलाकर उनकी सरकार बनाई थी।" सोमवार को एमपी के टीकमगढ़ के जतारा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस को वोट मत देना, वह बहुत चालू पार्टी है। इससे सावधान रहें। उन्होंने आगे कहा,"मध्य प्रदेश के लोगों ने यह देखा है कि अगर किसी पार्टी ने गठबंधन को धोखा दिया है, तो वो कांग्रेस पार्टी है।

इस्राइल पर ईरान-हिज्बुल्ला के हमले का खतरा, अमेरिका ने पश्चिम एशिया में भेजी परमाणु पनडुब्बी

यरुशलम। इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष को अब एक महीने पूरे होने वाले हैं। हालांकि, इस बीच दोनों तरफ से हमले जारी हैं। जहां इस्राइल में हमास के हमले में अब तक 1400 से ज्यादा की मौत हुई है, वहीं गाजा पट्टी में इस्राइली सेना के पलटवार में करीब 10 हजार की जान जा चुकी है। इस बीच इस्राइल पर लेबनान के ईरान समर्थित संगठन-हिजबुल्ला की तरफ से हमले का खतरा बढ़ता जा रहा है। खुद ईरान भी कई मौकों पर इस्राइल को अंजाम भुगतने की चेतावनी दे चुका है। इन हालात के मद्देनजर अमेरिका ने एलान किया है कि उसने अपनी एक परमाणु पनडुब्बी पश्चिमी एशिया में उतार दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उसकी एक ओहायो क्लास सबमरीन पांच नवंबर को ही कमान के जिम्मेदारी वाले इलाके में उतर चुकी है। सेंट्रल कमांड ने इस पोस्ट में एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें सबमरीन को मिस्त्र के काहिरा में स्थित अल-सलाम ब्रिज के नीचे से गुजरते देखा जा सकता है। सीएनएन के मुताबिक, पश्चिमी एशिया में गाइडेड मिसाइल सबमरीन भेजी गई है। माना जा रहा है कि अमेरिका अपने इस कदम के जरिए ईरान और उसके समर्थित संगठनों को इस्राइल-हमास संघर्ष में न कूदने की सीधी चेतावनी दे रहा है। गौरतलब है कि अमेरिक ने पहले ही कुछ युद्धपोतों को पश्चिमी एशिया भेजा है। इनमें दो कैरियर स्ट्राइक और एक समुद्री समूह

शामिल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मार्च 2011 के बाद यह पहली बार है जब किसी गाइडेड मिसाइल सबमरीन को संघर्ष की स्थिति में उतारा गया हो। 2011 में गाइडेड मिसाइल सबमरीन यूएसएस फ्लोरिडा ने लीबिया में ऑपरेशन ओडीसी डॉन के दौरान लीबिया में कई टारगेट पर 100 से ज्यादा टॉमहॉक मिसाइलें दागी थीं।

देश के एक और दुश्मन की मौत: जम्मू में आर्मी कैंप पर हमले के मास्टरमाइंड की मिली सिर कटी लाश

मुजफ्फराबाद। हाल के समय में भारत के कई दुश्मनों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। अब खबर आयी है कि साल 2018 में जम्मू में आर्मी कैंप पर हमले का मास्टरमाइंड पीओके में उसके घर में मृत पाया गया है। मृतक की पहचान ख्वाजा शाहिद के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ख्वाजा शाहिद की सिर कटी लाश मिली है। कुछ दिन पहले ख्वाजा शाहिद को अगवा किया गया था। मृत पाया गया आतंकी लश्कर ए तैयबा का कमांडर था और साल 2018 में जम्मू के सुंजवान स्थित सेना के कैंप पर हमले के मास्टरमाइंड में से एक था। इस हमले में आतंकियों ने एके-47 राइफल्स, ग्रेनेड के साथ आर्मी कैंप पर हमला किया था, जिसमें सेना के छह जवान शहीद हो गए थे। ख्वाजा शाहिद उर्फ मियां मुजाहिद पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नीलम घाटी का निवासी था। ख्वाजा शाहिद को हाल ही में अज्ञात बंदूकधारियों ने अगवा किया था, जिसके बाद से ख्वाजा

शाहिद का कुछ पता नहीं चल रहा था। पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई ख्वाजा शाहिद का पता लगाने की कोशिशों में जुटीं थी कि अब उसकी लाश मिली है। बता दें कि देश के दुश्मनों को विदेशों में चुन-चुनकर मारा जा रहा है। हाल के समय में कई आतंकियों को अज्ञात लोगों ने विदेशी जमीन पर निशाना बनाया है। इनमें भारत में मोस्ट वांटेड शाहिद लतीफ, कैसर फारूख, जैश ए मोहम्मद आतंकी जहूर इब्राहिम उर्फ जाहिद अखुंद समेत कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर और पाकिस्तान में खालिस्तानी आतंकी हरविंदर सिंह संधू की हत्याएं हुई हैं। सभी मामलों में हमलावरों का पता नहीं चल सका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीते 20 महीनों में भारत विरोधी 18 आतंकी अलग-अलग वजहों से मारे गए हैं। बीते महीने ही जैश ए मोहम्मद के करीबी सहयोगी दाउद मलिक की उत्तरी वजीरिस्तान में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आतंकियों की इस तरह मौतों से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी भी सकते में है और ऐसी खबरें हैं कि आईएसआई ने अपने गुर्गों को लेकर सतर्क हो गई है और कई की लोकेशन बदली गई है।

कांग्रेस में शामिल हुए रवि प्रकाश वर्मा, बोले- नेताजी के बाद सपा में जनता की आवाज उठाने वालों की जगह नहीं

लखनऊ। सपा के महासचिव व पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्हें कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। उनके साथ ही उनकी बेटी डॉ. पूर्वी वर्मा भी कांग्रेसी हो गईं। रवि वर्मा ने कहा कि अब सपा समाजवाद के सिद्धांत से भटक गई है। वहां पूंजीवादी व्यवस्था हावी है। उन्होंने कहा कि हम सबने कठिन परिश्रम करके साइकिल के निशान को प्रदेश के कोने-कोने में पहुंचाया है पर अब सपा में काम करना मुश्किल हो रहा है। नेताजी मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद सपा में मेहनती और जनता की आवाज उठाने वालों के लिए जगह नहीं है इसलिए अब सपा से इस्तीफा दे दिया है और कांग्रेस में शामिल हुए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हम सभी का दिल से स्वागत करते हैं। कांग्रेस पार्टी समाज के हर तबके के हितों की रक्षा के लिए काम करती है। इसके पहले, शनिवार को पूर्व सांसद रवि वर्मा और उनकी बेटी डॉ. पूवी वर्मा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद डॉ. पूर्वी वर्मा ने एक्स पर फोटो शेयर किया। उन्होंने लिखा कि बड़ों का आशीर्वाद लेकर अब आगे बढ़ने का समय है। इस फोटो के शेयर होने के बाद उनके समर्थकों और कांग्रेसियों ने इसे स्वागत योग्य कदम बताया था।

दिल्ली में 13 से 20 नवंबर तक लागू होगा ऑड-ईवन, बढ़ते प्रदूषण को लेकर केजरीवाल सरकार का फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण से लोगों का बुरा हाल है। इसी बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सचिवायल में उच्च स्तरीय बैठक की है। इस बैठक में मंत्री गोपाल राय भी मौजूद रहे। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली ऑड ईवन लागू होगा। 13 से 20 नवंबर के बीच इसे लागू किया जाएगा। आज ही दिल्ली सचिवालय में हाई लेवल बैठक हुई थी। दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए ऑड ईवन नियम को लागू करने का फैसला लिया है। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मौजूदगी में उच्चर स्तरीय बैठक हुई थी। इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अभी जो स्थिति बनी हुई है, उससे पता चलता है कि आने वाले दिनों में हालात ठीक होंगे। क्योंकि अनुमान लगाया जा रहा है कि छह और सात तारीख को हवा की गति थोड़ी बढ़ेगी। जिसकी वजह से ये जो जमाव जम गया है, उसमें परिवर्तन होगा। ज्यादातर टीमों को फिल्ड में उतारा गया है। क्योंकि ज्यादातर प्रतिबंध

गाड़ियों पर लगाए गए हैं। हवा में सुधार हुआ है। प्रदूषण कम करने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ इससे पहले दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण को देखते हुए 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान लागू किया था। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते एक्यूआई के बीच दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली सचिवालय में सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी। बैठक के बाद उन्होंने बताया था कि शहर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे। दिल्ली में 13 प्रदूषण हॉटस्पॉट हैं। उन्होंने कहा कि यहां विशेष टीमों को तैनात किया जा रहा है। प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकार ने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के अगले चरण को भी लागू कर दिया है। लेकिन फिर भी दिल्ली में प्रदूषण से राहत नहीं मिल रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली भर में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है। दिल्ली में सोमवार के वायु प्रदूषण स्तर की बात करें तो आरके पुरम में एक्यूआई 466, आईटीओ में 402, पटपड़गंज में 471 और न्यू मोती बाग में 488 दर्ज किया है। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने 10 नवंबर तक के लिए सभी स्कूलों को बंद कर दिया है। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने एक्स पर लिखा कि 'चूंकि प्रदूषण का स्तर लगातार ऊंचा बना हुआ है, इसलिए दिल्ली में प्राथमिक स्कूल 10 नवंबर तक बंद रहेंगे। ग्रेड 6-12 के लिए स्कूलों को ऑनलाइन कक्षाओं में शिफ्ट होने का विकल्प दिया गया है' दिल्ली सचिवालय में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल प्रदूषण को लेकर हाई लेवल बैठक की इस बैठक में मंत्री गोपाल राय, आतिशी, सौरभ भारद्वाज और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बिजली विभाग ने शुरू की ओटीएस स्कीम, 100 प्रतिशत सरचार्ज में मिलेगी छूट

प्रयागराज। बिजली विभाग ने एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) को एक बार फिर लागू किया है। आठ नवंबर से 31 दिसंबर तक इसे चलाया जाएगा। इसमें घरेलू से लेकर उद्योगों से जुड़े उपभोक्ताओं के लिए सरचार्ज में छूट दी गई है। जिले के डेढ़ लाख बकायेदार इसका लाभ उठा सकते हैं। करीब पांच हजार उपभोक्ता एक लाख से अधिक के बकायेदार हैं। वहीं 40 हजार से अधिक उपभोक्ताओं पर 50 हजार से अधिक का बकाया है। जबकि एक लाख से अधिक उपभोक्ता पर दस हजार रुपये से अधिक का बकाया है। बड़े बकायेदारों को ओटीएस का इंतजार था। करीब दो वर्ष बाद इस योजना को शुरू किया गया है। आठ नवंबर से शुरू होने वाली यह योजना तीन चरणों में होगी। इसमें संपूर्ण बकाये पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत तक बकायेदारों को छूट दिया जाएगा। यही नहीं किस्तों में भी बकायेदार भुगतान कर सकते हैं। मुख्य अभियंता प्रमोद कुमार सिंह का कहना है कि आठ नवंबर से शुरू होने वाली इस योजना को लेकर सभी अधीक्षण, अधिशासी अभियंताओं, उपखंड अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

संपादकीय

कुदरती उथल-पुथल और हिलती धरती ने दी भविष्य को लेकर खतरे की आहट

प्राकृतिक उथल-पुथल के रूप में कोई आपदा तबाही का कारण बनती है, तो वह कई बार आने वाले उससे बड़े खतरे का आहट होती है। शुक्रवार को नेपाल से लेकर उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में आए भूकम्प का दायरा जितना बड़ा था और जितनी अवधि के लिए दर्ज किया गया, उसे एक तरह से समय रहते खतरे से बचाव का इंतजाम करने की चेतावनी माना जाना चाहिए। हालांकि इससे जानमाल का नुकसान मुख्य रूप से नेपाल में सीमित रहा और वहां डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों की जान जाने की खबर आई, लेकिन इस बार धरती हिलने की जैसी प्रकृति देखी गई, उससे भविष्य को लेकर कई तरह की आशंकाएं पैदा हुई हैं। गौरतलब है कि 6.4 तीव्रता वाले इस भूकम्प का केंद्र काठमांडो से तीन सौ इकतीस किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में दस किलोमीटर जमीन के नीचे था। नेपाल में इसका असर सबसे ज्यादा देखा गया, लेकिन भारत में भी दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार जैसे राज्यों में देखा गया, जहां काफी देर तक लोगों ने धरती का हिलना महसूस किया। पिछले कुछ समय से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह लगातार भूकम्प से तबाही के मामले सामने आ रहे हैं, उससे यह आशंका उभरती है कि कहीं धरती के भीतर कोई व्यापक उथल-पुथल तो नहीं हो रही है। शुक्रवार को आए भूकम्प को नेपाल में इससे पहले 2015 में आए विनाशकारी भूकम्प के बाद सबसे घातक और खतरनाक माना जा रहा है। गौरतलब है कि 25 अप्रैल 2015 को नेपाल में 7.8 तीव्रता का जबरदस्त भूकम्प आया था, जिसमें जानमाल की व्यापक हानि हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, इसमें करीब दस हजार लोगों की मौत हो गई, दस लाख घरों को नुकसान पहुंचा और करीब अट्ठाईस लाख लोग विस्थापित हुए थे। यों नेपाल में पिछले तीन सालों में 5.5 तीव्रता वाले भूकम्प पांच बार आ चुके हैं। भारत के भी कई राज्यों में पिछले कुछ समय से जिस तरह कम या ज्यादा तीव्रता वाले भूकम्प आ रहे हैं, उसे एक तरह से बचाव के इंतजामों को लेकर सचेत रहने की चेतावनी माना जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भूकम्प एक ऐसी आपदा है, जिसके आने के वक्त के बारे में कोई पक्की और तात्कालिक सूचना हासिल करने या अनुमान लगा पाने की कोई तकनीक विकसित नहीं हो सकी है। ज्यादा तीव्रता वाला भूकम्प आने के बाद यह राहत के स्वरूप पर निर्भर करता है कि कितने लोगों की जान बचाई जा सकी। इससे पहले सिर्फ यही रास्ता बचता है कि इंसान अपनी रिहाइश के ऐसे तौर-तरीके और बचाव के इंतजाम विकसित करे, जिसमें बड़े भूकम्प में भी ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बच सके। घर बनाते समय हल्के वजन के घर या भूकम्परोधी बुनियाद पर इमारत का निर्माण अचानक आए भूकम्प की स्थिति में बचाव की एक गुंजाइश देता है। इसके साथ जो इलाके भूकम्प के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं, उसमें भूकम्प के समय घरों में फंसने पर बचाव के छोटे-छोटे इंतजामों को लेकर जागरूकता का प्रसार, खतरे की चेतावनी प्रणाली सहित राहत और बचाव इंतजामों के प्रति पूरी तरह चौकसी बरतना कुछ ऐसे कदम हो सकते हैं, जिनसे जानमाल के नुकसान को कम किया जा सकता है। यह सही है कि प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता है, लेकिन उससे बचाव के हर संभव उपाय किए जा सकते हैं।

कुनबा हमें बढ़ाना!

करते उनका स्वागत ।
है पूरा सम्मान ।।
आएं सपरिवार ।
रख रहे हम ध्यान ।।
इसलिए मौजूद हैं ।
सबसे हाथ मिलाना ।।
है कोशिश हमारी ।
कुनबा हमें बढ़ाना ।।
पूरी जिम्मेदारी है ।
है उसका खयाल ।।
है असर दिखाना ।
अब हमको हर हाल ।।
है पूरी तैयारी ।
कुछ भी अब कर जाना ।।
करनी है जब वापसी ।
मिल कर कदम बढ़ाना ।।

–कृष्णेन्द्र राय

महिला सैनिकों को दिपावली के पहले बहुत बड़ा तोहफा!

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां जानती है कि भारत में महिलाओं का सम्मान और लेडीज फर्स्ट की भावना का सम्मान सबसे अधिक किया जाता है। यहां महिलाओं को दैव्य शक्ति के रूप में माना जाता है जो आदि अनादि काल से है, इसलिए ही यहां सरकारों द्वारा महिला सुविधाओं को महत्व दिया जाता है परंतु कुछ वर्षों से महिलाओं को विशेष रूप से सुविधाए दी जा रही है, जैसे उज्जवला योजना लाडली बहन योजना सहित अनेक योजनाएं हैं और अभी संसद के विशेष सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023अभूतपूर्व उपलब्धि के साथ संसद के दोनों सत्रों में पारित किया गया और अभी दिनांक 5 नवंबर 2023 को माननीय केंद्रीय रक्षामंत्री ने एक प्रस्ताव को मंजूरी दी जिसमे अब सभी महिला सैनिकों को मातृत्व, शिशु देखभाल और दत्तक-ग्रहण अवकाश समान रूप से मिलेगा। यह छुट्टी सेना में सभी ओहदों पर कार्यरत महिला सैन्य कर्मियों को समान रूप से मिलेगी, चाहे वो अधिकारी हों, या न हों रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि यह सुविधा महिलाओं के पारिवारिक और सामाजिक मुद्दों के समाधान में दीर्घकालिक महत्व की साबित होगी। इससे सेना में उनकी कामकाजी परिस्थितियां बेहतर होंगी और वे अपने पेशेवर और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बिठा सकेंगी। सेना में सभी महिला कर्मियों के लिए मातृत्व, शिशु देखभाल और दत्तक-ग्रहण अवकाश उपलब्ध की सुविधा सेना के तीनों अंगों के लिए एक बड़ा परिवर्तन है। वर्ष 2019 में थल सेना में सैन्य पुलिस कोर में महिला सैनिकों की भर्ती शुरू हुई थी। चूंकि पुरुषों को पैटरनिटी लीव और महिलाओं को सुविधाओं की फेहरिस्त में एक और अध्याय जुड़ गया है और महिलाओं को दीपावली के पहले बहुत बड़ा तोहफा मिला है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, महिलाओं को मैटरनिटी और पुरुषों को पैटरनिटी लीव से शिशु देखभाल में दुर्गा में परिणाम आते हैं।

साथियों बात अगर हम महिला सैनिकों संबधी मैटरनिटी लीव का प्रस्ताव पारित होने की करें तो, केंद्र सरकार ने दिवाली से पहले महिला सैनिकों को बड़ा तोहफा दिया है, अब भारतीय सेना में काम करने वाली महिला सैनिकों, सेलर्स, एयर वॉरियर्स और महिला अग्निवीरों को एक समान मैटरनिटी लीव मिलेगी। रक्षा मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अब से पहले सेना में केवल हायर रैंक वुमन ऑफिसर्स को मैटरनिटी लीव और बच्चों के अडॉप्शन पर छुट्टियां दी जाती थीं। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सशस्त्र बलों में महिला सैनिकों, नाविकों और वायु योद्धाओं के लिए उनके अधिकारी समकक्षों के समान मातृत्व, बाल देखभाल और बच्चे को गोद लेने पर चाइल्ड केयर लीव दी जाएगी। नियम जारी होने के साथ ही सेना में सभी महिलाओं को, चाहे वह अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक की, ऐसी छुट्टियाँ देना समान रूप से लागू होगा। महिलाअधिकारियों को 180 दिनों की मैटरनिटी लीव मिलती है, इसके साथ ही अगर वो एक साल से कम उम्र के बच्चे को गोद लेती हैं तो उसके गोद लेने की तारीख के बाद से उन्हें 180 दिनों की छुट्टी मिलती है। एक महिला अधिकारी को अपनी पूरी नौकरी के दौरान 360 दिन बच्चे की देखभाल के लिए मिलते हैं। इसके लिए बच्चों की उम्र 18 साल से कम होनी चाहिए। रक्षा मंत्रालय के इस फैसले के बाद भारतीय सेना में काम करने वाली सभी महिलाओं को पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ बैलेंस करने में मदद मिलेगी।साथ ही वह बाकी महिलाओं को बच्चे के जन्म और गोद लेने पर मिलने वाली छुट्टियों की तरह ही मैटरनिटी औरचाइल्ड केयर लीव का लाभ उठा पाएंगी। भारतीय सेना के सैन्य पुलिस कोर में सैनिकों के रूप में महिलाओं की भर्ती साल 2019 से शुरू हुई. वहीं अग्निवीर योजना की शुरूआत के बाद महिलाओं की कोर ऑफ मिलिट्री पुलिसमें भर्ती की जा रही है।इंडियन नेवी में भी अग्निवीर योजना के तहत महिला सेलर्स की भी भर्ती शुरू की गई है रक्षा मंत्रालय के इस फैसले से सभी को इसका लाभ मिलेगा। रक्षा मंत्रालय से सशस्त्र बलों में तैनात महिलाओं के छुट्टियों को

लेकर एक प्रस्ताव जारी किया गया है, इस प्रस्ताव में महिलाओं की छुट्टियों को लेकर एकनियम बनाया गया है। सुरक्षा बलों में अब महिला अधिकारियों की तरह ही महिला सैनिकों को भी अब मातृत्व, बच्चों की देखभाल और बच्चे गोद लेने के लिए छुट्टियां और अन्य सुविधाएं दी जाएगी. इससे महिला सैनिक अपने पेशेवर और पारिवारिक जीवन को अधिक प्रभावशाली ढंग से संतुलित बना सकेंगी। भारतीय सशस्त्र बल के नए नियमों से अब सभी रैंकों की महिला कर्मियों के बीच समानता आ गई है। इस नियम के आने के बाद से सेना में सभी महिलाओं के लिए ऐसी छुट्टियों का अनुदान समान रूप से लागू होगा, चाहे वह अधिकारी हो या किसी अन्य रैंक का हो।

साथियों बात अगर हम मेटरनिटी लीव कानून की करें तो,2017 से पहले भारत में कामकाजी महिलाओं को 12 हफ्ते यानी तीन महीने की ही मैटरनिटी लीव मिलती थी। लेकिन अक्सर तीन महीने की छुट्टी के बाद महिलाओं का काम पर वापस लौटना मुश्किल होता था और वो छुट्टी बढ़ा लेती थीं। लिहाजा 2017 में केंद्र सरकार ने मैटरनिटी बेनिफिट कानून में संशोधनकर दिया। इसके बाद मैटरनिटी लीव 12 हफ्ते से बढ़कर 26 हफ्ते तक हो गई। कानूनन, पहले और दूसरे बच्चे के लिए 26 हफ्ते की मैटरनिटी लीव मिलती है. तीसरे या इससे ज्यादा बच्चे होने पर 12 हफ्ते की ही छुट्टी का प्रावधान है. मैटरनिटी लीव में कामकाजी महिलाओं को उनकी पूरी सैलरी मिलती है।इसके अलावा, कानून ये भी कहता है कि तीन महीने से कम उम्र के बच्चों को गोद लेने वालीं या सेरोगेट मदर्स को भी 12 हफ्ते की मैटरनिटी लीव दी जाएगी. ।वैसे तो भारत की आधी आबादी महिलाओं कीहै,लेकिनकामकाजी महिलाओं की आबादी की भी आधी है।वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारत में कामकाजी महिलाओं की आबादी 27 फीसदी है।मैटरनिटी लीव की वजह से भी कामकाजी महिलाओं पर असर पड़ता है। 2018 में एक निजी संस्था टीमलीज ने 300 कंपनियों के कर्मचारियों पर सर्वे किया था। इस सर्वे में सामने आया था कि मैटरनिटी लीव की वजह से 11 से 18 लाख महिला कर्मचारियों की छुट्टी हो सकती है।

साथियों बात अगर हम पूरी दुनिया में मैटरनिटी लीव के प्रावधानों का अध्ययन करें तो,इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में सबसे लंबे समय तक मैटरनिटी लीव क्रोएशिया में मिलती है. यहां कामकाजी महिलाओं को 58 हफ्ते की छुट्टी मिलती है. वहीं, नॉर्वे में 56 और स्वीडन में 55 हफ्तों की मैटरनिटी लीव मिलती है।कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके, मोंटेनेगरो, बोसनिया, अल्बानिया और जर्मनी में महिलाओं को 52 हफ्ते की मैटरनिटी लीव मिलती है। अमेरिका ऐसा देश है जहां मैटरनिटी लीव को लेकर कोई पॉलिसी नहीं है. यहां के कुछ राज्यों में महिलाओं को 12 हफ्तों की मैटरनिटी लीव मिलती है, लेकिन वो अनपैड होती है। यानी, इस दौरान कामकाजी महिलाओं को सैलरी नहीं दी जाती।संयुक्त अरब अमीरात में महिलाओं को सिर्फ 6 हफ्ते की मैटरनिटी लीव मिलती है। नेपाल, ओमान, कतर और लेबनान में भी महज 7 हफ्तों की ही मैटरिनिटी लीव का प्रावधान है। साथियों बातें अगर हम पैटरनिटी लीव की करें तो,दरअसलपैटर्निटी लीव किसी भी स्टाफ को मिलने वाली वह छुट्टी है, जो उसे पिता बनने के बाद मिलती है। यह लीव बच्चे और उसकी मां की देखभाल के लिए मिलती है। आमतौर पर यह लीव बच्चे की डिलिवरी के 15 दिन पहले से लेकर उसके जन्म के बाद 6 महीने तक कभी भी ले सकते हैं।आपने नोट किया होगा कि बच्चा जन्म के बाद से ही मां को पहचानने लगता है। इसकी वजह उसका मां से जुड़ाव है, जबकि पिता के साथ ऐसा नहीं होता। नवजात पिता को नहीं पहचानता।यही वजह है कि वह जन्म के बाद पिता को देखकर रोने भी लगता है. अगर आप जन्म से कुछ समय पहले या जन्म के बाद कुछ दिन बच्चे के साथ बिताएंगे तो वह आपको भी पहचानने लगेगा. इसके अलावा इस मौके पर आपका साथ आपकी पार्टनर को फिजिकल और मेंटल दोनों तरह का सपोर्ट देता है। यह तभी संभव हो सकेगा जब आप लीव पर होंगे. इसके लिए आप पैटर्निटी लीव ले सकते हैं।भारत में इस लीव की बात करें तो सेंट्रल गवर्नमेंट के पुरुष कर्मचारी 15 दिनों की पैटर्निटी लीव ले सकते हैं।

संत अतुलानंद कान्वेन्ट स्कूल कोइराजपुर का ज्ञानपीठ सभागार गुजरात की निडर शेरनी और हिंदुत्व की पोस्टर गर्ल के रूप में विख्यात काजल हिंदुस्तानी की वाणी की अनुगूँज से हुआ गौरवान्वित

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। संत अतुलानंद कान्वेन्ट स्कूल कोइराजपुर हरहुआ का ज्ञानपीठ सभागार गुजरात की निडर शेरनी और हिंदुत्व की पोस्टर गर्ल के रूप में विख्यात काजल हिंदुस्तानी की वाणी की अनुगूँज से गौरवान्वित हुआ` वीरांगना विचार व्योम के अंतर्गत उन्होंने महिला सुरक्षा एवं सम्मान से जुड़े ऐसे गंभीर तथ्यों को सामने रखा जिससे विद्यालय की छात्राओं एवं अध्यापिकाओं में एक नवीन योद्धास्वरूपा स्त्री शक्ति का बोध एवं चेतना जागृत हुई उन्होंने कहा कि महिलाएँ पुरुष से आगे बढ़ने की सोच के दायरे से आगे बढे.` वर्तमान फिल्म, सोशल मीडिया और टीवी की संस्कृति हमारे शैक्षणिक व्यवस्था को खत्म करने पर तुली है हमारा वेद अपने आप में विज्ञान है और हमें अपनी संस्कृति पर गर्व होना चाहिए आज गुरुकुल की शिक्षा पद्धति जैसे सर्वांग निपुण होने की आवश्यकता है उन्होंने अनेक वीरांगनाओं का उल्लेख किया और उनकी गाथा को जिस जोश के साथ छात्राओं के समक्ष प्रस्तुत किया उससे सभागार में एक अपूर्व ऊर्जा एवं शक्ति का वातावरण सृजित होता परिलक्षित हुआ` प्राचीन काल की वीरांगना स्त्रियों के माध्यम से उन्होंने स्त्रीवाद की वास्तविक परिभाषा समझायी तथा शस्त्र-शास्त्र में पारंगत माताओं को ही देश का वास्तविक निमार्ता बताया जिन्होंने छत्रपति शिवाजी तथा महाराणा प्रताप जैसे वीर पुत्रों को जन्म दिया ` कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही संस्था निदेशिका डॉ. वंदना सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि महिला प्राचीन काल से ही सशक्त है नवरात्र, दीपावली, वसंत पंचमी में देवी पूजन की महत्ता ज्ञान, बल, बुद्धि, समृद्धि के रूप में महिला सशक्तिकरण के अंदर ही समझी जा सकती है उन्होंने गंभीरता से इस बात की अपील की कि स्वतंत्रता एवं स्वच्छंदता के भीतर की महीन रेखा का अंतर हमें समझना होगा` शिक्षा का अभिप्राय गंभीर होना है उत्श्रृंखल होना नहीं इसलिए जरूरी है कि हम साक्षर और शिक्षित होने के अंतर को गंभीरता से समझे` प्रधानाचार्या डॉ. नीलम सिंह ने नारी शक्ति की प्रधानता को विज्ञान के मदरसेल और डॉटरसेल से जोड़कर समझाया उन्होंने कहा कि यदि हम जड़ों से नहीं जुड़ेंगे तो निश्चित रूप से उखड़ जाएंगे इसलिए हमें अपने इतिहास और संस्कृति की पहचान को बनाए और बचाए रखना बहुत जरूरी है` विद्यालय की छात्राओं ने मनमोहक गीत ले चले हम राष्ट्र नौका के माध्यम से इस कार्यशाला के संकल्प को पुनर्जीवित कर दिया` इस कार्यशाला की समन्वयक गुंजननन्दा एवं डॉ. मिथिलेश के माध्यम से विद्यालय की छात्राओं को अत्यन्त ज्ञानवर्धक जानकारी, एतिहासिक चेतना एवं जागरूकता को बोध हुआ` कार्यक्रम का संचालन शेफाली श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

पीयू में फंक्शनल मैटेरियल पर होगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान द्वारा फंक्शनल पदार्थ पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति और पॉलीमर की प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो वंदना सिंह द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रो. वंदना सिंह ने सम्मेलन की वेबसाइट को भी लॉन्च किया। प्रो सिंह ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के सफलता की शुभकामनाएं दी। प्रो. सिंह ने कहा कि फंक्शनल मैटेरियल इंजीनियरिंग, मेडिसिन, स्पेस व कई अन्य क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। रज्जू भैया संस्थान के निदेशक व अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक डॉ प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि यह सम्मेलन रज्जू भैया संस्थान एवं एशियन पॉलीमर एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में 8 से 10 फरवरी 2024 को पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आयोजित हो रहा है। इस अवसर पर डीआरडीओ के डिफेंस मटेरियल लैब के सेवा निवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक व सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ कैलाश नाथ पांडे ने कहा की फंक्शनल मटेरियल एक बहुआयामी पदार्थ है जिसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए बनाया जाता है। डॉ पांडे ने कहा कि इस सम्मेलन में डीआरडीओ व देश के अन्य संस्थानों के वैज्ञानिक अपना शोध व व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ नितेश जायसवाल ने कहा कि 8-10 फरवरी , 2024 को आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में दुनिया भर के तीन सौ से ज्यादा शोधार्थी, वैज्ञानिक, प्रोफेसर फंक्शनल पदार्थ पर चर्चा करने के लिए पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में आयेंगे।

पीजी कालेज छात्रसंघ चुनाव कराने के लिए जिलाधिकारी से मिला छात्रों का प्रतिनिधि मंडल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को पीजी कॉलेज गाजीपुर के छात्र संघ प्रतिनिधि मंडल ने छात्रसंघ चुनाव अतिशीघ्र कराने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी से मिलकर वार्ता कर पत्रक दिया। छात्रसंघ प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से छात्रसंघ चुनाव अनिवार्यतः कराने हेतु माननीय उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालय के आदेशों एवं शिक्षा मंत्री भारत सरकार तथा उच्च शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी शासनादेशों का जिक्र किया,जिसपर जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने कहा कि हम शासन से पत्राचार कर एक सप्ताह के अंदर शीघ्र अतिशीघ्र चुनाव कराने हेतु महाविद्यालय प्रशासन के साथ बैठक करेंगे । पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि उच्च न्यायालय ने सीधे पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों को छात्र संघ चुनाव कराने का आदेश दिया है, जिसका उल्लंघन महाविद्यालय प्रशासन व जिला प्रशासन कर रहा है। छात्र नेता डॉ शम्मी सिंह ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव न कराना मौलिक अधिकार का हनन है और उच्च शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश ने सदन में एक सदस्य के प्रश्न के जबाब में ये स्पष्ट कहा कि प्रदेश के सारे विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों को छात्र संघ चुनाव कराने का निर्देश दिया जा चुका है फिर भी इस तरह के नजरअंदाजी जिला प्रशासन व महाविद्यालय प्रशासन के तानाशाही को दिखाता है। छात्र नेता शशांक उपाध्याय ने कहा कि छात्र संघ लोकतंत्र की नर्सरी है और छात्रसंघ चुनाव न कराकर इस नर्सरी को नष्ट किया जा रहा है।

अज्ञात व्यक्ति का मिला शव अभी तक कोई पहचान नहीं हो पाया

प्रखर जौनपुर। बरसठी थाना अंतर्गत के आदमपुर गांव में मिला नवयुवक का शव जो कि निगोह बाजार से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर कटवार रोड पर । अज्ञात युवक जिसकी उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है, रोड किनारे जल भरे गड्ढे में मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों द्वारा मारकर फेंका गया है । आस पास के लोगों का अनुमान हैं कि मोटरसाइकिल का इंडिकेटर यहां टूटा दिखाई पड़ रहा है, मृत व्यक्ति विकलांग भी है। थाना अध्यक्ष बरसठी फोर्स के साथ पहुंचे हुए हैं, जनता जिलाधिकारी जौनपुर और पुलिस अधीक्षक जौनपुर से न्याय की गुहार कर रही है।

काशी सांसद खेलकूद प्रतियोगिता में साइकिल दौड़ में सुधाकर महिला कालेज की चार छात्राओं का चयन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सारनाथ संग्रहालय से काशी सांसद खेल-कूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत अन्तर महा विद्यालीय साइकिल दौड़ की प्रतियोगिता शुरू हुई ये साइकिल दौड़ प्रतियोगिता सारनाथ संग्राहालय से रिंग रोड होते हुए यू.पी.कालेज पर समाप्त हुई जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र और छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया` छात्राओं के वर्ग में 18 वर्ष से ऊपर के टॉप 10 सूची में सुधाकर महिला पी.जी. कालेज की प्रिया रानी, बी०एस०सी० प्रथम सेमेस्टर को तृतीय स्थान, रागिनी, बी०एसङ्कसी० प्रथम सेमेस्टर को चर्तुर्थ स्थान, काजल गोंड बी. कॉम.पंचम सेमेस्टर को पंचम स्थान जबकि अमीषा पटेल बी०ए० द्वितीय सेमेस्टर को पष्ठम्‌ स्थान प्राप्त हुआ इन सभी को मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. प्रभु नारायण दूबे, उप प्राचार्या डॉ. रमा दूबे, समन्वयक डॉ० अशोक कुमार पाण्डेय और निदेशक आशीर्वाद दूबे ने सभी को इस सफलता पर शुभकामनायें संदेश दिये जबकि महाविद्यालय की ओर से छात्राओं का प्रतिनिधित्व हिन्दी की प्रवक्ता डॉ. प्रतिमा मिश्रा ने किया।

सत्य सनातन सेवा संस्थान ने नारद घाट पर शुरू किया नित्य अन्नधर्म

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नारद घाट पर सत्य सनातन सेवा संस्थान ट्रस्ट ने अपना नित्य अन्यधर्म 5 नवम्बर रविवार से शुरू किया` आपको बताते चलें यहां संत महात्माओं के लिए प्रतिदिन प्रातः7:00 बजे औषधि युक्त दलिया का वितरण किया जाएगा और सायं 7:00 बजे निःशुल्क प्रसाद-भंडारे का आयोजन करना सुनिश्चित हुआ है जिससे काशी में रह रहे साधु संतों को भोजन के लिए कहीं और न जाना पड़े` मां गंगा के तट पर नारद घाट के पावन तीर्थ में सेवा भाव के रूप में शुरू किया गया है यह अन्न क्षेत्र आपको बताते चलें काशी नरेश डॉ. विभूति नारायण सिंह के जन्म दिवस पर इसकी शुरूआत की गई है इस अन्न क्षेत्र के माध्यम से प्रतिदिन तकरीबन 150 से 200 लोगों को प्रसाद वितरित किया जाएगा ` अन्न क्षेत्र का मीनू भी प्रतिदिन परिवर्तित रहेगा किसी दिन वेज बिरियानी तो किसी दिन पूरी सब्जी और किसी दिन इडली सांभर का प्रसाद संत महात्माओं के लिए तैयार करवा कर इस अन्य क्षेत्र के माध्यम से उनमें वितरित किया जाएगा।

दीपावली पर मिलावटखोरों की तैयारी, विभाग सुस्त

सावधान, कहीं बच्चों को 'मीठा जहर' तो नहीं दे रहे!, बाजार में बिक रही मिलावटी मिठाइयों से सावधान क्योंकि ये जानलेवा हैं!

प्रखर खेतासराय जौनपुर। दीपावली पर मिठाइयों को देख मुंह में पानी आना लाजिमी है। यही वजह है कि मिठाई की बिक्री सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना बढ़ जाती है। चिता की बात ये है कि मिलावटखोर आपकी सेहत से खिलवाड़ कर सकते हैं। ज्यादा मुनाफे के फेर में कई जगह मिलावटी सामान की बिक्री की आशंका है। दीपावली पर मिठाई खाएं तो जरा संभलकर। बीमार होने से अच्छा है कि पहले मिठाई की गुणवत्ता जांच लें और ऐसी दुकान से मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ खरीदे जो भरोसे की हो। मिठाइयां सावधानी बरतते हुए ही खरीदें। ऐसा न हो कि सेहत ही खराब हो जाए। इन दिनों खोवा बनाने वाली भट्ठियां खूब धधक रही हैं। सूत्रों की मानें तो तमाम जगह सिथेटिक मावा तैयार होने लगा है। इससे अचानक दूध की नदियां बहने लगी हैं। यहां तैयार खोवा जिले में ही नहीं खपेगा, बल्कि आसपास भी भेजा जाएगा। ज्यादातर मामलों में मिलावटखोरों पर बड़ी कार्रवाई नहीं हो पाती। दूध-यूरिया, शैंपू , डिटर्जेंट व रिफाइंड से सिथेटिक दूध तैयार किया जाता है। ऐसा 10 किलो दूध 150-200 रुपये में तैयार हो जाता है। असली दूध 54 से 60 रुपये लीटर है। नकली मावा सिथेटिक दूध, सूजी, तेल, रंग, आलू, शकरकंद की मिलावट की जाती है। एक किलो नकली मावा बनाने पर 60 से 70 रुपये खर्चा आता है। असली बताकर इसे 250-300 रुपये किलो तक बेचा जाता है। सिथेटिक दूध, सूजी, गीला ग्लूकोज (वजन बढ़ाने के लिए) से नकली मिल्क केक तैयार होता है। थोक में इसकी बिक्री 150 रुपये प्रति किलो तक होती है। फुटकर दुकानदार दोगुना कीमत पर बेचते हैं।रसगुल्ला रू सिथेटिक दूध व स्टार्च (अरारोट) का उपयोग करके रसगुल्ला तैयार किया जाता है। होलसेल में यह 80 रुपये किलो बिकता है। रिटेल में 200 रुपये से अधिक तक बिक्री होती है। शहर के प्रसिद्ध स्वीट्स के मालिक राजीव जलाली ने कहा कि मिलावटी मिठाइयों की बिक्री गांव-देहात, बस स्टैंड व सार्वजनिक स्थानों पर अधिक होती है। दीपावली ही नहीं, सामान्य दिनों में भी मिलावटी मिठाइयां बिकती हैं। खाद्य विभाग केवल दीपावली व अन्य त्योहारों पर ही छापेमारी करता हैं। चिकित्सक बताते है कि मिलावटी मिठाई खाने से फूड प्वॉइजनिग, जी-मिचलाना, बेचैनी, चक्कर आना, उल्टी-दस्त हो सकते हैं। केमिकल व अन्य अखाद्य वस्तुओं के लंबे समय तक सेवन से किडनी फेल्योर, ब्रेन स्ट्रोक, आंतों में संक्रमण व कैंसर तक की आशंका रहती है।

मुनाफे के लिए सेहत से खिलवाड़!– दीपावली मतबल धूम-धाम, मस्ती, पूजा-पाठ, दीप और मिठाइयां। दिवाली में शायद ही ऐसा कोई घर हो जहां मिठाइयां न आती हो, शायद ही कोई ऐसा शख्स हो जो इस त्योहार में अपना मुंह मीठा न करे, लेकिन मुंह मीठा करने के लिए आयीं मिठाइयां अगर मिलावटी हो तो ये आपके और आपके परिवार के लिए बन सकती हैं जानलेवा। दिवाली पर धड़ल्ले से मिलावटी मिठाइयों का कारोबार चल रहा है और हमारा मकसद है आपको इस मिलावट से बचाना। हमारी इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कहां बिक रहीं हैं मिलावटी मिठाइयां। कैसे मिठाइयों में मिलाया जा रहा है 'जहर' और कैसे आप खुद को,अपने परिवार को इस मिलावट से बचा सकते हैं। मिलावटी मिठइयों से बचकर! खोवे में यूरिया, वाशिंग पाउडर और सफेद रंग! काजू कत्ली में जहरीला वर्क! लड्डू में कपड़े रंगने वाला रंग! आपकी पसंदीदा बालुशाही में घी की चर्बी! जी हां ये सच है, त्योहारों के मौके पर मुनाफाखोर अपना फायदा कमाने के लिए हमारी और आपकी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। मिठाई में मिलावट करना कानूनी जुर्म है। लेकिन बावजूद इसके थोड़ा सा फायदा कमाने के लिए ऐसे कारोबारी लोगों के त्योहारों को बर्बाद करने से भी परहेज नहीं करते।

जेड एम फॉउंडेशन की तत्वाधान में कैंटीन का हुआ उदघाटन

प्रखर खेतासराय जौनपुर। सोमवार को जेड एफ एम फाउंडेशन की जानिब से फूलपुर में मात्र 15 रुपये कैंटीन का नवागत कोतवाल निहार रंजन कुमार ने फीता काटकर किया। इस मौके पर कवि सम्मेलन और मुशायरा का आयोजन हुआ । श्रोता देर शाम तक गोंता लगाते रहे । तहसील मुख्यालय के पास कार्यक्रम के चलते वादकारी भी रचनाओं का आनंद लेते दिखे । यहाँ आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि उपजिलाधिकारी श्याम प्रताप सिंह को आना था लेकिन अपरिहार्य कारणों से नही आये । कैंटीन के उद्घाटन के पश्चात मुशायरा का आगाज हुआ । शायर नसीम साज, ये मेरा वतन है.. वतन है , तुम इसको गलत नजर से क्यों द्वखते हो ।। लोगों ने खूब पसंद किया । सलमान घोसवी की परस्तुति वफा ऐसा खुलूस दीया है, हमारे दीयों पर जलाया है ...पर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा । ज्यादा आजमी की रचना 'हिन्दू मुसलमान बाद में बनना, पहले बन जाओ इंसान' पर लोगों खूब सराहा ।

मंडलायुक्त कौशल राज ने निर्वाचन सूची पुनरीक्षण का जमानिया में किया निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 एवं अर्हता तिथि 1 जनवरी 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 के अंतर्गत सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचन सहभागिता के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में अहर्ता दिनांक 1जनवरी 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024, कार्यक्रम 27 अक्टूबर 2023 से 9 दिसंबर 2023 तक जनपद में चलाया जा रहा। इसी क्रम में वाराणसी मंडल मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा द्वारा सामान्य निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम का विधानसभा क्षेत्र जमानियां अंतर्गत तहसील जमानियां में बनाये गये मतदात पंजीकरण केन्द्र जमानियां का निरीक्षण किया तथा बीएलओ, ईआरओ एव एइआरओ के साथ बैठक कर अभियान को पूरी पारदर्शिता से चलाने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि आयोग के निदेशानुसर दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर 2023 तक है ।जिसमे विशेष अभियान 4 नवंबर 5 नवंबर, 25 नवंबर, 26 नवंबर, 2 दिसंबर, 3 दिसंबर को चलाया जाएगा। जिसमें फार्म 6 में नाम जोड़े जाएंगे ,फार्म 7 में आपत्तियां (नाम काटे जाएंगे) प्रारूप 8 में नाम संशोधन किया जाएगा और निर्वाचन नामावली का अंतिम प्रकाशन 5 जनवरी 2024 को किया जायेगा । जिन छात्र-छात्राएं या अन्य की उम्र 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही हो वे भी वोटर लिस्ट में अपना नाम सम्मिलित अवश्य करा सकते है। उन्होंने कहा इस कार्य मे निर्वाचन आयोग के निदेशों का पालन अवश्य किया जाये इसमे किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा किसी भी मतदेय स्थल पर फार्म 06,07,08 और 08 ए की कमी नहीं होनी चाहिए। सुपरवाइजर मतदेय स्थलों का निरंतर स्थलीय निरीक्षण करे, यदि कहीं भी बूथ पर फार्म की कमी हो तो संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी एवं जिला कार्यालय से समन्वय कर पूरा कराएं। सुपरवाइजर पहली बार निर्वाचक नामावली का कार्य करने वाले बीएलओ के कार्यों पर विशेष ध्यान रखे। इस दौरान उन्होंने बूथ लेबल ऑफिसर के कार्यप्रणाली को भी देखा तथा पुनरीक्षण अभियान के तहत नए मतदाताओं को शत प्रतिशत वोटर लिस्ट में जोड़ने, साथ ही जो मतदाता स्थान परिवर्तित करके नए स्थानों से जुड़े हैं उनके नाम को भी जोड़ा अथवा हटाया जाए। उन्होंने पुनरीक्षण अभियान में संलग्न कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि दिन प्रतिदिन की रिपोर्ट अपने संबंधित अधिकारी को प्रेषित करें, बूथ पर आने वाले मतदाताओं का संबंधित फार्म अवश्य भराये तथा लोगों को इस अभियान के संबंध में जागरूक भी करें, जिससे ज्यादा से ज्यादा मतदाता वोटर लिस्ट में शामिल हो सकें।

नाक कान गले के डॉक्टर के एन मिश्रा का प्रैक्टिस के 50 वर्ष पूरे, मनाया गया स्वर्ण जयंती समारोह

प्रखर वाराणसी। बीते 50 वर्षो से नाक कान गला विभाग के डॉक्टर के एन मिश्रा मरीजों का ईलाज पूरे समर्पण और सेवा भाव से कर रहे है । डॉक्टर के एन मिश्रा सन 1973 में जब इस विभाग में प्राइवेट प्रैक्टिस करने आए उसे वक्त तक इस विभाग में कोई डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस में नहीं था । आंख के डॉक्टर ही नाक कान और गले के रोग का इलाज करते थे डॉक्टर के एन मिश्रा इस विभाग के पूरे पूर्वांचल के पहले प्राइवेट प्रैक्टिशनर हुए । नाक कान और गले विभाग में जनरल बीमारी के इलाज के साथ जटिल से जटिल ऑपरेशन की शुरूआत भी पूरे पूर्वांचल में पहली बार डॉक्टर के एन मिश्रा ने किया पहला बड़ा ऑपरेशन कान के प्रत्यारोपण का था जो माता आनंदमयी अस्पताल में किया गया था । तब से लेकर आज तक अनवरत इस विभाग में मरीज का सफल इलाज डॉक्टर के एन मिश्रा कर रहे हैं । उनके प्रैक्टिस के 50 वर्ष पूरे होने पर उनके अपने चाहने वालों ने उनके सम्मान में एक कार्यक्रम रविवार 5 नवंबर को रेलवे अधिकारी क्लब डीआरएम ऑफिस के पास लहरतारा वाराणसी में किया गया । कार्यक्रम में मैं शहर के जाने-माने डॉक्टर डॉक्टर वी डी तिवारी ने उनके कर्मठता , ईमानदारी और मरीजो के प्रति निष्ठा की बात कही तो वहीं डॉक्टर बी एम डी गुप्ता और डॉक्टर एस पी गुप्ता ने शुरूवाती दिनों के प्रैक्टिस कि उन दुश्वारियां को याद किया जिसको पारकर डॉक्टर के एन मिश्रा पूर्वांचल में मरीजों की सेवा कर सके । कार्यक्रम में सांढ़ बनारसी और एसपी मिश्रा ने भी डॉक्टर साहब के साथ अपने अनुभवों को साझा किया । इस मौके पर डॉक्टर की एन मिश्रा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर 50 वर्षों की प्राइवेट प्रैक्टिस की इस सफर में कम से कदम मिलाकर चलने वाले उनके सहयोगी रहे शिवजोर शास्त्री को भी सम्मानित किया गया जिस लगन के साथ वह डॉक्टर साहब के साथ आज भी अनवरत जुड़े हैं उसकी याद को खुद डॉक्टर के एन मिश्रा ने साझा किया । डॉक्टर के एन मिश्रा के सम्मान समारोह में उनके क्लीनिक के स्टाफ ने भी डॉक्टर साहब की सह्दर्यता और उनकी उदारता की चर्चा कर अभिभूत हुवे । डॉक्टर साहब ने भी अपने सभी स्टाफ को सम्मानित किया।

समृद्धि और सशक्तिकरण के लिए डेरी क्षेत्र का परिदृश्य बदलने के लक्ष्य के साथ काशी में बड़ी संख्या में जुड़ रही महिला दुग्ध किसान

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। क्षेत्र की 20,000 से ज्यादा महिला दुग्ध किसानों के स्वामित्व वाली काशी दुग्ध उत्पादक संगठन (केएमपीओ) ने आज यहां घोषणा करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंत तक मात्र दो साल के संचालन में वह 200 करोड़ रुपये का टर्नओवर पूरा कर लेगी` मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ मनवीर सिंह ने यहां बताया कि संगठन की आय में यह छह गुना वृद्धि होगी क्योंकि 9 मार्च, 2022 को संचालन शुरू करने के बाद पहले पूर्ण वर्ष (2022-23) में संगठन ने 37 करोड़ रुपये की आय दर्ज की थी` चुपचाप अपना कर्म करते हुए हम महिला दुग्ध किसानों की ऐसी एक सेना बन गए हैं जो डेरी क्षेत्र में बड़े बदलाव का संदेश लेकर आये हैं इस प्रक्रिया में अब तक हमने 2000 दीदी को लखपति बनते देखा है और साल के अंत तक यह संख्या 3000 को पार कर जायेगी जिसका श्रेय सदस्यों को मिलने वाले साफ-सुधरे एवं पारदर्शी खरीद मूल्य के फलस्वरूप हुई तेज वृद्धि को जाता है` उन्होंने बताया कि हमारे 18-19 महीने के संचालन में एक सदस्य ने हमें दूध बेचकर 30 लाख रुपये से ज्यादा की आय प्राप्त की है हमने अगले वित्त वर्ष के लिए 300 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया है` दूध की थोक बिक्री के साथ हम काशी के अद्भुत स्वाद वाले पैकेज उत्पाद भी लेकर आएंगे उन्होंने आगे कहा क्षेत्र में डेरी सेक्टर के विकास में चेयरमैन डॉ मीनेश शाह के दूरदृष्टिपूर्ण नेतृत्व में एनडीडीबी की महती भूमिका की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के तत्वाधान में राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की इकाई एनडीडीबी डेरी सर्विसेज (एनडीएस) के तकनीकी सहयोग से काशी दुग्ध उत्पादक संगठन' का गठन हुआ।

खादिम के सातवें स्टोर का भव्य उद्घाटन हुआ संपन्न

प्रखर वाराणसी। खादिम के सातवें स्टोर का भाव उद्घाटन आज गिलट बाजार यूको बैंक के सामने शिवपुर रोड पे संपन्न हुआ प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता संजय सिंह राठौड़ ने बताया कि यह वाराणसी में सातवां स्टोर है ग्राहकों की असुविधा को देखते हुए यह स्टोर यहां खोला गया है खादिम के एरिया सेल्स मैनेजर देवेंद्र संतरा ने बताया कि खादिम एक जाना माना नाम है ग्राहकों के विशेष आग्रह पर शोरूम को यहां खोला गया है ग्राहक आकर यहां से भी खरीदारी कर सकते हैं ग्राहकों के लिए हर खरीद पर निश्चित उपहार की भी सुविधा यहां रखी गई है उद्घाटन के समय मुख्य रूप से मैनेजर कमल कुमार पंकज जयसवाल राकेश मोहम्मद कैफ शोएब इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित रहे !

प्राथमिक शिक्षक संघ बड़ागांव के निर्वाचन में मनोज अध्यक्ष व उदयप्रताप बने मंत्री

प्रखर बड़ागांव वाराणसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बड़ागांव इकाई का निर्वाचन सोमवार को बीआरसी बड़ागांव पर चुनाव प्रक्रिया के तहत किया गया। जिसमे अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह व मंत्री उदयप्रताप सिंह चुने गए। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के मांडलिक मंत्री व जिलाध्यक्ष सकलदेव सिंह व पर्यवेक्षक जिलाध्यक्ष चन्दौली विनोद कुमार सिंह की उपस्थिति में चुनाव अधिकारी जितेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में दोपहर डेढ़ बजे नामांकन प्रक्रिया के तहत नामांकन पत्र दाखिल हुआ। जाचोपरांत प्राथमिक विद्यालय धनंजयपुर के अध्यापक मनोज कुमार सिंह को ब्लॉक अध्यक्ष तथा प्राथमिक विद्यालय खरावन के उदयप्रताप सिंह को मंत्री व रसुलहा के अध्यापक जयप्रकाश यादव को निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुना गये।

चुनाव के बाद शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रसिद्ध नारायण सिंह उर्फ बाबा सिंह ने कहाकि शिक्षक का समाज मे प्रमुख स्थान है। शिक्षक को किस तरह समाज के साथ जुड़ना है वह उन्हें तय करना है। शिक्षक समाज सुधारक ही नही अपितु मार्गदर्शक भी होता है। शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सकलदेव सिंह व संचालन जिला उपाध्यक्ष राकेश पाठक व धन्यवाद पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष संतोष ने दिया। इस दौरान चंदौली के जिला मंत्री उपेंद्र बहादुर, संयुक्त मंत्री राजीव सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष चोलापुर जितेंद्र सिंह, राजेश्वर सिंह, मनीष कुशवाहा, दिनेश सिंह, राजाराम यादव, मिथलेश सिंह, उदयप्रताप सिंह, लोकनाथ, अरविंद सिंह, रमेश यादव, रमेश पांडेय , अनिरुद्ध वर्मा समेत अनेक शिक्षक व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पैमाइश के दौरान महिला पुलिस कर्मी पर हुए हमला का वीडियो सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

प्रखर जौनपुर। नगर के थाना लाइन बाजार क्षेत्र अंतर्गत चौकीपुर ग्राम निवासी रविन्द्र कुमार सोनकर पुत्र नन्दलाल सोनकर द्वारा उपजिलाधिकारी को आराजी संख्या 583/0.0240, हे० बंजर खाते की भूमि की पैमाइश करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था कि उसी बंजर खाते की भूमि से सटी 584/0.069 हे०, 585/0.016 हे० उनकी भूमिधरी भूमि हैं जिससे उक्त भूमि का सीमांकन कराकर चिन्हित किया जाए ताकि रविन्द्र कुमार अपनी भूमिधरी के चारों तरफ बाउण्ड़ीवाल निर्माण करा सके। रविन्द्र कुमार द्वारा मुख्यमंत्री हेल्प लाइन पर भी बंजर भूमि की नापी के लिए शिकायत दर्ज कराया गया है। जिसके बाद उपजिलाधिकारी के दिशा निर्देशन में राजस्व अधिकारियों के साथ पैमाइश की कार्यवाही सुनिश्चित हुई थी। किन्तु रविन्द्र कुमार सोनकर द्वारा बताया गया कि उनके विपक्षियों द्वारा पैमाइश को रोकने के लिए राजस्व एवं पुलिस टीम के साथ मारपीट पर उतारू हो गए। जिसके फलस्वरूप पैमाइश नहीं हो सकी। और घायल पुलिस एवं राजस्व टीम को वापस लौटना पड़ा जिसके बाद चौकीपुर गांव में में पीएससी बल को तैनात किया गया।

बताया जा रहा हैं कि रविन्द्र कुमार द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र पर कार्यवाही के दृष्टिगत जिले की राजस्व टीम स्थानीय थाने की पुलिस फोर्स को लेकर सरकारी बंजर भूमि की पैमाइश करने चौकीपुर पहुँची, जैसे ही राजस्व टीम द्वारा नापी के लिए फिता गिराया ही गया था कि पुरुषों समेत महिलाओं ने राजस्व टीम और पुलिस फोर्स से बवाल कर लिया और जमकर हंगामा खड़ा कर दिया। यही नहीं राजस्व टीम के साथ आयी पुलिस फोर्स की महिला पुलिस कर्मियों के साथ मारपीट किया गया जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा हैं। इस मामले को लेकर लाइन बाजार थाना पुलिस द्वारा विपक्षी सुभाष सोनकर, पप्पू सोनकर पुत्रगण तूफानी सोनकर, लालू सोनकर पुत्र खटाई सोनकर, निशा सोनकर पत्नी पप्पू सोनकर, गुड्डी सोनकर पत्नी सुभाष सोनकर तथा 15-20 अज्ञात द्वारा राजस्व टीम को मौके पर पैमाइश करने तथा पुलिस द्वारा मना करने पर भी उपरोक्त लोगों ने दूसरे पक्ष के रविन्द्र सोनकर के परिवार के लोगों के साथ तथा राजस्व टीम के साथ हाथापाई एवं मारपीट किए। जब पुलिस टीम द्वारा उन्हें समझाने का प्रयास किया गया तो वह और उग्र होकर पुलिस एवं राजस्व टीम के साथ मारपीट करते हुए इट पत्थर चलाने लगे। जिसके कारण कई महिला कांस्टेबल तथा राजस्व टीम के लोगों को चोटे आयी हैं। उक्त घटना को देखते हुए थाना पुलिस द्वारा 147/323/332/336/353 की धराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चौकियाँ धाम स्थित चौकीपुर गाँव में पैमाइश करने पहुँची राजस्व/पुलिस टीम के साथ मारपीट करने वालों द्वारा रविन्द्र कुमार सोनकर व उनके बड़े भाई विनोद सोनकर पर सारा टिकारा फोड़ा जा रहा हैं जबकि रविन्द्र कुमार द्वारा बताया गया कि जब राजस्व टीम पैमाइश करने पहुँची थी तो उस समय हमारे बड़े भाई विनोद सोनकर मौके पर थे ही नहीं केवल मेरे बड़े भाई की छवि को धूमिल करने के लिए उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही हैं जबकि उस मामले में हमारे बड़े भाई का कोई लेनादेना ही नहीं है। पैमाइश कराने के लिए मेरे द्वारा उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र दिया गया। बताया जा रहा हैं कि उपजिलाधिकारी के निर्देशन में राजस्व की एक टीम गठित की गई जिसमें तहसीलदार शहर वह राजस्व टीम तथा पुलिस बल की उपस्थिति में पैमाइश के दौरान विपक्षीगढ़ो द्वारा पैमाइश में बाधा उत्पन्न की गई तथा राजस्व टीम का फीता उठाकर फेंका गया तथा पुलिस बल व महिला पुलिस कर्मियों के साथ मारपीट की गई।इस घटना की सूचना के उपरांत मौके से पहुचे सीओ सिटी नगर व पुलिस बल की उपस्थिति के बावजूद भी राजस्व टीम द्वारा पैमाइश नहीं की जा सकी। जो बना हुआ है चर्चा का विषय। पैमाइश के दौरान पुलिस व राजस्व टीम पर पथराव के साथ मारपीट करने के जुर्म में थाना पुलिस द्वारा सुभाष सोनकर, पप्पू सोनकर पुत्रगण तूफानी सोनकर, लालू सोनकर पुत्र खटाई सोनकर, निशा सोनकर पत्नी पप्पू सोनकर, गुड्डी सोनकर पत्नी सुभाष सोनकर तथा 15-20 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत हुआ।

त्यौहार पर हुड़दंग करने वालो की खैर नहीं, थाना बिरनो में पीस कमेटी की बैठक संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। धनतेरस, दीपावली और छठपूजा आदि त्योहार शांतिपूर्वक मनाएं। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क है। पुलिस सभी पर नजर रखेगी। अफवाह फैलाने और अराजकता करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। यह बात पीस कमेटी की बैठक में बिरनो थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह यादव ने कही। बिरनो थाना में सोमवार को पीस कमेटी की बैठक हुई। जिसमें बिरनो थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि त्यौहार में अशांति फैलाने वाले बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस बार धनतेरस पर सड़क किनारे ठेला या दूकान पटरी छोड़ कर लगाए और रमजान एक साथ शुरू हो रहे हैं। दोनों त्योहारों को सभी लोग आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाएं। त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। त्योहार में किसी भी तरह कि अफवाह नही फैलाने चाहिए जिससे कानून व्यवस्था खराब हो। त्योहार में हुड़दंग और अफवाह फैलाने पर पुलिस की नजर रहेगी। थाना क्षेत्र में बिरनो, कहोतरी महमूदपुर ढेबुआ में गणेश लक्ष्मी जी की प्रतिमा रखी जाती है जहां पर प्रशासन सुरक्षा को लेकर चौकन्ना रहेगा। इस मौके पर ग्राम प्रधान विजय नारायण चौहान, मेवा लाल यादव उमा यादव मनोज राजभर, अवधेश राम, सहीत क्षेत्र के सम्मानित जनप्रतिनिधी मौजूद रहे।

हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन में 51 संगठनों के 210 हिन्दुत्वनिष्ठों का उत्स्फूर्त सहभाग!

हिन्दूहित के कार्य करने का वचन देनेवाले राजनीतिक दल तथा प्रामाणिक जनप्रतिनिधियों को लोकसभा चुनाव में समर्थन देने का प्रस्ताव सम्मत !

प्रखर वाराणसी। जो हिन्दूहित की केवल बात नहीं, अपितु हिन्दूहित का कार्य करेगा, इस नीति के अनुसार हिन्दू राष्ट्र तथा हिन्दूहित के सूत्रों पर कार्य करने का वचन देनेवाले राजनीतिक दल तथा प्रामाणिक जनप्रतिनिधियों को ही वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में हिन्दुओं का समर्थन मिलेगा, ऐसा प्रस्ताव 4 एवं 5 नवंबर को आयोजित हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन सर्वसम्मति से पारित हुआ । इस हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन में नेपाल एवं भारत के उत्तर प्रदेश, बिहार, ओरिसा, देहली, आसाम एवं बंगाल के 51 संगठनों के पदाधिकारी, अधिवक्ता, संतजन, मंदिर न्यासी, उद्योगपति आदि 210 से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे, ऐसी जानकारी हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय मार्गदर्शक सद्गुरु (डॉ.) चारुदत्त पिंगळेजी ने हिन्दू राष्ट्र अधिवेशन के समापन की पत्रकार परिषद में दी। पराडकर भवन, वाराणसी में आयोजित पत्रकार परिषद में वे बोल रहे थे। इस अवसर पर सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री. चेतन राजहंस एवं हिन्दू जनजागृति समिति के उत्तर प्रदेश एवं बिहार राज्य समन्वयक श्री. विश्वनाथ कुलकर्णी उपस्थित थे।

सद्गुरु (डॉ.) चारुदत्त पिंगळेजी ने आगे कहा कि इस अधिवेशन में भविष्य में हिन्दूहित के कौनसे सूत्रोंपर राजनैतिक दलों के द्वारा कार्य अपेक्षित है, इस पर विस्तृत चचार्सवाद हुआ। इस चर्चा के आधारपर भारत एवं नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने; लव जिहाद, धर्मांतरण एवं गोवंश हत्या के विरुद्ध कठोर कानून बनाने; हलाल सर्टिफिकेशन पर प्रतिबंध लगाने; मंदिरों का सरकारीकरण निरस्त करने; प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट एवं वक्फ कानूनों को निरस्त करने; जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने; कश्मीरी हिन्दुओं का पुनर्वास आदि विषयों पर हिंदुत्वनिष्ठों का राजनैतिक दलों के लिए मांगपत्र बनाया गया है । यह मांगपत्र सभी राजनैतिक दलों के समक्ष रखा जाएगा।

इस अवसर पर सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री. चेतन राजहंस ने कहा कि, मंदिर संस्कृति रक्षा एवं संवर्धन के लिए 100 से अधिक मंदिरों में वस्त्रसंहिता लागू करने का लक्ष्य निश्चित किया गया है। अधिवेशन में मंदिरों के प्रतिनिधियों के उपस्थिति में मंदिरों का सरकारी नियंत्रण, मंदिर क्षेत्र में हो रहा भ्रष्टाचार, मंदिरों की परंपराओं में हो रहा सरकारी हस्तक्षेप इसके विरुद्ध मंदिरों को संगठित करने का तथा मंदिर सुप्रबंधन हेतु एकत्रित कार्य करने का निर्णय हुआ । काशी-मथुरा मंदिर मुक्ति आंदोलन को वैधानिक स्तर पर संघर्ष को संपूर्ण सहायता देने का महत्त्वपूर्ण प्रस्ताव अधिवेशन में पारित किया गया ।

हिन्दू जनजागृति समिति के उत्तर प्रदेश एवं बिहार राज्य समन्वयक श्री. विश्वनाथ कुलकर्णी ने कहा कि, इस अधिवेशन में समान सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत सभी हिंदुत्वनिष्ठों के द्वारा सनातन धर्म नष्ट करने के विषय में हेट स्पीच करनेवालों के विरोध में मैं सनातन धर्मरक्षक अभियान चलाया जाएगा। हिन्दू राष्ट्र की स्थापना के उद्देश्य से हिन्दूहित के उपक्रमों को गति प्रदान करने के लिए जिला, राज्य स्तर पर हिन्दू संगठनों का एकत्रीकरण कर हिन्दू राष्ट्र समन्वय समितियों की स्थापना की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

आ गया दीपावली का त्योहार, आतिशबाजी के जखीरा संग अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में थानध्यक्ष जंगीपुर मय हमराह द्वारा रविवार सायं 9.30 बजे रामजीत गुप्ता पुत्र स्व0 कुबेर शाह निहालनगर कस्बा से एक नफर अभियुक्त को काटूनों में रखे आतिशीबाजी पटाखे कुल वजन 346 किलो ग्राम के साथ गिरफ्तार किया गया है । जिसके समबंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 159/23 धारा 5/9 ब विस्फोटक अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक की जा रही है गिरफ्तार शुदा अभियुक्त का विवरण - अमित कुमार गुप्ता उर्फ लक्की पुत्र मुन्ना लाल गुप्ता नि0 वार्ड नं0 10 शास्त्री नगर कस्बा जंगीपुर थाना जंगीपुर गाजीपुर। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में अमित कुमार पाण्डेय थानाध्यक्ष थाना जंगीपुर गाजीपुर मय हमराह, उप निरीक्षक शिवमणि त्रिपाठी चौकी प्रभारी मण्डी समिति थाना जंगीपुर गाजीपुर शामिल रहे।

योगी सरकार का महिलाओं को बड़ा तोहफा दीपावली से पहले उज्जवला कनेक्शन धारकों को फ्री मिलेगा गैस सिलेंडर

प्रखर दानगंज वाराणसी। वाराणसी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को फ्री रिफिलिंग लाभ मिलेगा। बतादे कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना लाभार्थियों को वित्तीय वर्ष 2023 24 के प्रथम चरण में माह नवंबर 2023 से दिसंबर 2023 तक द्वितीय चरण में जनवरी 2024 से मार्च 2024 तक कुल दो निःशुल्क गैस दिया जाएगा। विभाग से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के ऐसे आधार कैश ट्रांसफरकम्प्लाइन्ट लाभार्थी जिनके बैंक खाते आधार लिंक होंगे तथा जिनके आधार प्रमाणित होगे, वही निःशुल्क उज्ज्वला रिफिल / सिलेण्डर का लाभ प्राप्त करेंगे। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत जनपद-वाराणसी में ऑयल कम्पनियों द्वारा कुल 231486 उज्ज्वला गैस कनेक्शन निर्गत किये गये है। जिला पूर्ति अधिकारी वाराणसी के आदेश के अनुपालन में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के गैस कनेक्शनधारकों / लाभार्थियों, जिनका बैंक खाता आधार से लिंक नहीं है तथा आधार प्रमाणित नही है। वे सभी लोग इसके पात्र होंगे। सरकार द्वारा निर्देशित किया गया है कि योजना का लाभ प्राप्त करने वाले अपने-अपने बैंक खातों को आधार से लिंक कराते हुए संबंधित गैस एजेन्सी से सम्पर्क कर सकते है।

आईजीएल कम्पनी ने खरैला गांव में हो रहे रामलीला में पांच हजार का किया सहयोग

प्रखर गीडा,गोरखपुर। इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड के बिजनेस हेड एस के शुक्ल ने कंपनी की तरफ से खरैला गांव में चल रही रामलीला में सोमवार को 5 हजार रुपए का सहयोग प्रदान किया। और कहा की भगवान श्री राम के चरित्र को आज पात्रों के माध्यम से ग्रामीणों द्वारा बहुत अच्छे से प्रदर्शित किया जा रहा है। आज प्रत्येक मानव को प्रभु श्री राम से सीख लेने की जरूरत है। वरिष्ठ प्रबंधक प्रशासन एवं जनसंपर्क डॉ सुनील कुमार मिश्रा ने रामलीला कमेटी के अध्यक्ष को पांच हजार रुपए नगद प्रदान किया और कहा की आपके द्वारा क्षेत्र में अदभुत योगदान किया जा रहा है।हमारी कंपनी सदैव ग्रामीणों के साथ खड़ी है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेताओं के विरुद्ध मांग को लेकर अपर पुलिस आयुक्त वाराणसी से मिले भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के नेता

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष ऋषभ पांडे के नेतृत्व छात्रों का एक प्रतिनिधि मंडल अपर पुलिस आयुक्त काशी जोन से मुलाकात की और उन्होंने ज्ञापन सौपा जिसमें की जिलाध्यक्ष ऋषभ पाण्डेय ने यह आरोप लगाया कि विगत दिनों बीएचयू परिसर में जिस तरह से एक छात्रा के साथ अश्लील हरकतें की गई और उसको लेकर जिस तरह से सकड़ों की संख्या में विश्वविद्यालय परिसर में खुलेआम विरोध प्रदर्शन के नाम पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेताओं व कार्यकताओं द्वारा परिसर में अराजकता फैलाई जा रही है इसी के साथ विरोध प्रदर्शन की आड़ में छात्र - छात्राओं के साथ मारपीट की जा रही है यह अत्यंत ही निंदनीय है विश्वविद्यालय में वर्तमान समय में धारा 144 लागू है` बावजूद इसके कानून व्यवस्था का उल्लंघन करते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के लोग अवैधानिक रूप से सैकड़ों की संख्या में परिसर में जमा होकर अराजकता फैला रहे है साथ ही उत्तरप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का पुतला दहन किया हैं जो कि गलत हैं पुतला दहन की वजह से हम सबके मान सम्मान को ठेस पहुँचा हैं एनएसयूआई इसका निंदा करती है और साथ ही पुलिस प्रशासन से मांग करती है कि वह इन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उचित कानूनी कार्यवाही करें` पत्रक देने वालों में प्रमुख रूप से एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष ऋषभ पाण्डेय, महानगर अध्यक्ष संदीप पाल, रजत सिंह, मानिक यादव,अमोद यादव, अंगद पटेल, शिवम सेठ, पंकज यादव आदि लोग मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव का भिटी रावत चौराहे पर हुआ भव्य स्वागत

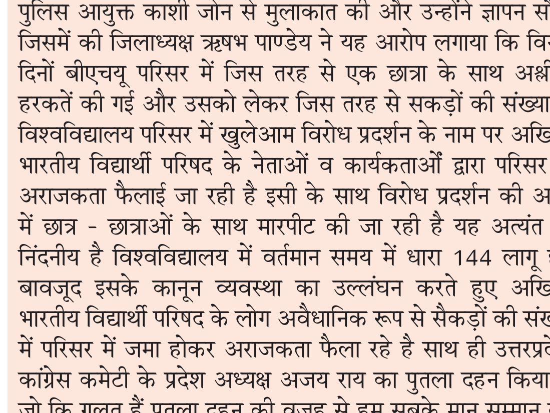

प्रखर पूर्वांचल सहजनवां,गोरखपुर। जनपद के सहजनवा तहसील अंतर्गत भीटी रावत चौराहे पर 6 नवम्बर दिन सोमवार को सुबह लगभग 9 बजे सपा के राष्ट्रीय सचिव अरशद खान का समाजवादी पार्टी जिला कार्यकारिणी के सदस्य सईद बाबू रहबर और पुर्व विधायक यशपाल रावत के नेतृत्व में दर्जनों की संख्या में एकत्रित कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। मिली जानकारी से सपा के राष्ट्रीय सचिव अरशद खान चुनाव में झारखंड के प्रभारी बनाए गए हैं। जो लखनऊ से झारखंड चुनाव प्रचार के लिए जा रहे थे। स्वागत कार्यक्रम के इस दौरान रामनाथ यादव,जिला उपाध्यक्ष गिरीश यादव,दुर्गेश मास्टर, मोहम्मद अली अंसार ,माजिद कमल,राजेंद्र यादव, विधानसभा उपाध्यक्ष प्रदीप यादव,लाल बहादुर यादव समेत दर्जनों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चीन में निभाई जाती है अजीबोगरीब परंपरा, गर्भवती पत्नी को उठाकर अंगारों पर चलता है पति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कई देशों में लोग ऐसे रीति-रिवाजों का पालन करते हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। कहीं पर अच्छी बारिश के लिए अनोखी परंपराएं निभाई जाती हैं, तो कहीं पर माता-पिता बनने वाले जोड़ियों को लेकर भी अजीबोगरीब परंपराएं हैं। इसी तरह चीन में ऐसी ही एक हैरान कर देने वाली परंपरा का पालन किया जाता है, जिसमें पति अपनी गर्भवती पत्नी को उठाकर जलते अंगारों पर चलते हैं।

क्यों मनाई जाती है यह परंपरा : चीनी संस्कृति में माता और पिता बनने वाले जोड़ियों के लिए एक अनोखी परंपरा है, जो बहुत दर्दनाक और खतरनाक है। इसमें पति को अपनी गर्भवती पत्नी को गोद में उठाकर जलते हुए कोयले पर नंगे पैर चलना होता है। ऐसा माना जाता है कि अगर पति अपनी पत्नी को सफलतापूर्वक उठाकर जलते हुए अंगारों के तय क्षेत्र को पार कर लेता है तो पत्नी को बच्चे के जन्म के दौरान कम दर्द महसूस होगा।

परंपरा निभाने वाले पतियों का कहना

ऐसे में इस परंपरा को निभाने वाले पतियों को मानना है कि जब महिलाएं इतना कुछ झेलकर मां बनती हैं तो उनके लिए पिता बनने का सफर भी आसान नहीं होना चाहिए। गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के शरीर में कई बदलाव होते हैं और उनके हार्मोन्स बदलते रहते हैं, जिनकी वजह से उन्हें मूड स्विंग्स समेत कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

क्या दर्शाती है यह परंपरा?

चीनी लोगों के मुताबिक, यह परंपरा दर्शाती है कि एक पिता के मन में अपने बच्चे और पत्नी के लिए कितना प्यार है। वह हर हालत में अपनी पत्नी और बच्चे के साथ खड़ा है। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि यह परंपरा महिलाओं को सम्मानित करने का एक जरिया है। हालांकि, कुछ लोग इस परंपरा को पसंद नहीं करते क्योंकि अगर अंगारों पर चलते वक्त पति का संतुलन बिगड़ जाए तो इससे दुर्घटना भी हो सकती है।

इंडोनेशिया में आधी उंगलियां काटने की है परंपरा

इंडोनेशिया में दानी जनजाति के लोगों द्वारा भी एक बेहद अजीबोगरीब परंपरा निभाई जाती है। इस परंपरा में परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु होने पर महिलाओं की आधी उंगलियों को काट दिया जाता है। इस परंपरा का नाम 'इकिपालिन' है। दानी जनजाति के लोगों का मानना है कि उंगली काटने की प्रक्रिया के दौरान

महिलाओं को जो दर्द महसूस होता है, उससे मृतक के दर्द को कम करने में मदद और पैतृक की आत्मा को शांति मिलती है।

रोचक खबरें

विश्व रिकॉर्ड : इस आदमी ने पानी के अंदर हल किया रुबिक क्यूब, बना दिया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। रुबिक क्यूब को दुनिया का सबसे मुश्किल कॉम्बिनेशन वाला पजल्स गेम माना जाता है। एक रुबिक क्यूब को हल करने में लोगों को कई घंटे लग जाते हैं। ऐसे में सिंगापुर के रहने वाले 21 वर्षीय डेरिल टैन होंग एन ने पानी के अंदर 9.29 सेकंड में रुबिक क्यूब हल करने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। यह

वाकई काबिल-ए-तारीफ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, डेरिल का नाम दुनिया के बेहतरीन स्पीडक्यूबर्स में से एक है। उन्होंने हाल में पानी के अंदर रहकर महज 9.29 सेकंड में 3x3x3 का रुबिक क्यूब हल करने का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया है। खास बात यह है कि यह उनका पहला गिनीज रिकॉर्ड नहीं है। मौजूदा वक्त में उनके नाम कुल 12 विश्व रिकॉर्ड के खिताब हैं। इतने रिकॉर्ड्स के साथ वो स्पीडक्यूबर्स में सबसे आगे हैं। डेरिल ने पानी के अंदर रिकॉर्ड बनाने की तैयारी के लिए सांस रोककर रखने का प्रशिक्षण लिया। यह प्रशिक्षण करीब 2 महीने तक चला। इसमें डेरिल को 12 किलोग्राम वजन के साथ एक पूल के तल पर बांध दिया जाता था। डेरिल ने गिनीज अधिकारियों से कहा, विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और सीमाओं को पार करना ही मेरी विशेषता है। इसके लिए मैं कड़ी से कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार रहता हूं। डेरिल न सिर्फ पानी के अंदर तैरते हुए, बल्कि अन्य प्रकार की गतिविधियां करते हुए रुबिक क्यूब को हल करने में सक्षम हैं। वह दौड़ते हुए, उल्टा लटकते हुए और होवरबोर्ड की सवारी करते हुए भी रुबिक क्यूब को हल कर सकते हैं। उन्होंने इसके लिए घंटों अभ्यास किया है और खूब मेहनत की है, तब जाकर वो 30 सेकंड के अंदर क्यूब को हल करने में सक्षम हुए थे।

वायरल : यूपी के होटल ने बनाया दुनिया का सबसे बड़ा बर्गर, 112 किलोग्राम है वजन

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के आगरा में स्थित एक 5 सितारा होटल ने 'दुनिया का सबसे बड़ा सोने की परत वाला बर्गर' बनाया है। इसका वजन 112 किलोग्राम है। खास बात यह है कि इस बर्गर को बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए बन को मोटे अनाज जैसे रागी, ज्वार, बाजरा आदि से बनाया गया है। ऐसे में यह बर्गर

सेहत के लिए भी फायदेमंद है। बर्गर बनाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल भी हो रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, होटल ग्रैंड मर्क्योर के कर्मचारियों ने 112 किलोग्राम सोने का बर्गर तैयार किया है। इसे बनाने के लिए पंजाब के शरणदीप सिंह उर्फ बर्गर चाचू को भी विशेष तौर पर बुलाया गया था। उन्होंने इस बर्गर को बनाने के लिए बाजरा, रागी, खीरा, टमाटर और अन्य स्वस्थ सामग्रियों का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा इस बर्गर को सोने की छड़ों से सजाया गया है, जिसकी वजह से इसका सुनहरा रंग लोगों का आकर्षण बना है। विवेक ने मीडिया से बात करते हुए आगे कहा, यह मोटे अनाज से बना दुनिया का सबसे बड़ा सोने का बर्गर है। इसका वजन हमने 100 किलोग्राम रखा था, लेकिन यह 112 किलोग्राम का बन गया। इसे खाने के लिए 200 से ज्यादा स्कूल के बच्चों को भी आमंत्रित किया गया था और चखने के बाद उनके चेहरे पर एक अलग ही खुशी थी। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य स्वस्थ भोजन की आदतें विकसित करने के लिए जागरूकता फैलाना है। होटल के जनरल मैनेजर विवेक महाजन ने बताया, फास्ट फूड खाने से बीमारी होती है।

अचरज : 500 साल पहले लड़की को बलि देकर किया दफन, अब वैज्ञानिकों ने फिर से फूंक दी 'जान'!

दुनिया में एक से बढ़कर एक सभ्यताएं हुई, ऐसी ही एक सभ्यता इंका साम्राज्य की थी, जो कभी दक्षिण अमेरिका में राज किया करती थी नई दिल्ली। दक्षिण अमेरिका में आज से 500 साल पहले इंका साम्राज्य का राज हुआ करता था। उस दौर में एक लड़की की बलि देकर उसे एंडीज पर्वतों में एक निष्क्रिय ज्वालामुखी के

पास दफना दिया गया। इस लड़की के जमे हुए अवशेषों को 1995 में वैज्ञानिकों के जरिए खोजा गया। अब वैज्ञानिकों ने इस लड़की के चेहरे को दुनिया के सामने पेश किया है। ऐसा 3डी के जरिए किया गया है। एक तरह से वैज्ञानिकों ने इस लड़की में एक नई जान फूंक दी है। जब से इस लड़की के अवशेषों को खोजा गया, जब से ही इसे आइस मेडेन, जुआनिटा और लेडी ऑफ एम्पाटो का नाम दिया जाने लगा। बर्फ में दबी मिली इस लड़की को लेकर बहुत कम जानकारी थी। मगर अब स्वीडिश कलाकार ऑस्कर निल्सन और वारसॉ यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर एंडियन स्टडीज और सांता मारिया के कैथोलिक यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स की एक टीम ने जुआनिटा के चेहरे का 3डी रिकंस्ट्रक्शन किया है, यानी कि उसका चेहरा बनाया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, पेरू में एंडियन सैंक्चुअरी संग्रहालय में एक प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें ही जुआनिटा के चेहरे को दुनिया के सामने पेश किया गया। इस प्रदर्शनी में जुआनिटा और उसकी जिंदगी को लेकर तमाम तरह के राजों से पर्दा हटाया गया। बताया गया कि किस तरह से इस युवा लड़की की बलि दे दी गई थी।

फ्रांस का नोट्रे-डेम डे पेरिस चर्च दुनिया के सबसे मशहूर और पुरानी चर्च में से एक है। 800 साल पुरानी इस चर्च में एक ऐसी चीज रखी है, जो 2000 साल पुरानी है और ईसाई समुदाय के लिए बहुमूल्य है।

फ्रांस के चर्च में सीक्रेट तिजोरी, आखिर ऐसी क्या चीज रखी है, रहता है पहरा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कई सदी से तमाम ताकवर राजा जान की बाजी लगा इसकी सुरक्षा करते रहे हैं। वह बहुमूल्य चीज है 'क्राउन ऑफ द थोर्न्स' यानी 'कांटों का ताज'। हर साल गुड फ्राइडे के दिन 'क्राउन ऑफ द थोर्न्स' को आम जनता के दर्शन के लिए रखा जाता है। दुनियाभर से लाखों लोग इसकी एक झलक पाने के लिए पेरिस आते हैं।

किंग लुई ने 135000 लीवर्स में 'क्राउन ऑफ द थोर्न्स' खरीदा था

'क्राउन ऑफ द थोर्न्स' यरुशलम, बाइजेंटाइन होते हुए फ्रांस पहुंचा

नोट्रे-डेम डे पेरिस चर्च में एक सीक्रेट तिजोरी में रखा

क्या है 'क्राउन ऑफ द थोर्न्स'?

ऐसी मान्यता है कि रोमन सैनिकों ने जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया तब उनके सिर पर यही ताज पहनाया था। 'क्राउन ऑफ द थोर्न्स' को एक गोल कांच के अंदर सुरक्षित रखा गया है और इसके ऊपर सोने की कारीगरी की गई है।

नीचे एक गद्दीदार-मखमली तकिया लगी है। नेटफ्लिक्स पर हाल में आई डॉक्यूमेंट्री 'मिस्ट्रीज ऑफ द फेथ' के मुताबिक क्राउन को नोट्रे डेम चर्च के अंदर एक सीक्रेट तिजोरी के अंदर रखा जाता है। इसकी सुरक्षा में हमेशा 12 नाइट्स तैनात रहते हैं. इसके अलावा सीक्रेट एजेंट्स 24 घंटे निगरानी करते हैं।

फ्रांस के राजा ने कितनी रकम देकर खरीदी?

नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री के मुताबिक किंग लुई 135000 लीवर्स में 'क्राउन ऑफ द थोर्न्स' खरीदने को तैयार हो गए। उस जमाने में यह बहुत भारी-भरकम रकम हुआ करती थी। हिस्ट्री टुडे के मुताबिक उस वक्त यह रकम, लुई के साम्राज्य की साल भर की कमाई का करीब आधा थी।

बाल्डविन ने फ्रांस के राजा से कहा- गिरवी रखोगे?

हालांकि बाल्डविन की मुसीबतें कम नहीं हुईं। वह अपने चचेरे भाई और फ्रांस के राजा लुई (नौवें) से मिलने पहुंचे। वहां उनसे पैसे की मांग की और कहा कि चाहे तो 'क्राउन ऑफ द थोर्न्स' वो रख लें। लुई ने बाल्डविन का ऑफर फौरन स्वीकार कर लिया। इसकी दो वजहें थीं। एक तो लुई की धर्म और आस्था में गहरी दिलचस्पी थी। दूसरा, वो ईसा मसीह के ताज के जरिये पूरे यूरोप में अपना दबदबा कायम करना चाहते थे।

फ्रांस तक कैसे पहुंचा?

'क्राउन ऑफ द थोर्न्स' के फ्रांस पहुंचने की कहानी बेहद दिलचस्प है थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक छठवीं शताब्दी के आसपास तक यह यरुशलम में हुआ करता था। बाद में कांस्टेंटिनॉपल पहुंच गया, जो अब इस्तांबुल के नाम से जाना जाता है। कांस्टेंटिनॉपल में बाइजेंटाइन राजा इसे अपने प्राइवेट चर्च में रखते थे। 12वीं शताब्दी के आसपास बाइजेंटाइन साम्राज्य ढहने लगा। आर्थिक दिक्कतें आ गईं। इसके बाद बाइजेंटाइन राजा बाल्डविन (द्वितीय) ने इसे वेनिस के एक व्यापारी के पास गिरवी रख दिया।

फ्रांसीसी क्रांति में कैसे बचा?

'क्राउन ऑफ द थोर्न्स' जब वेनिस से पेरिस लाया गया तो बहुत भव्य कार्यक्रम आयोजित किया. खुद लुई नंगे पैर इसे लेने पहुंचे और इसे रॉयल पैलेस में लाया गया। 1790 तक क्राउन, रॉयल पैलेस में ही रहा, लेकिन फ्रांसीसी क्रांति के वक्त इस पर भी खतरा मंडराने लगे। उस वक्त राजशाही के पास मौजूद क्राउन समेत तमाम महत्वपूर्ण चीजों को सेंट डेनिस चर्च को सौंप दिया गया। बाद में साल 1806 में सब चीजें सामान्य हुईं, तब क्राउन ऑफ द थोर्न्स' को नोट्रे डेम लाया गया।

2019 में नष्ट होते-होते बचा

साल 2019 में नोट्रे-डेम चर्च में भीषण आग लग गई थी। एक तरीके से पूरा चर्च जलकर खाक हो गया। तब बहुत मुश्किल से 'क्राउन ऑफ द थोर्न्स' को बचाया गया था। उस वक्त कुछ दिनों के लिए होटल वाइल में रखा गया था। बाद में जब नोट्रे-डेम के रेनोवेशन का काम पूरा हो गया, तब क्राउन वापस यहां लाया गया।

एक ऐसी जिसका पिछले 500 सालों से नहीं बढ़ा किराया, आज भी केवल 77 रुपये

नई दिल्ली। आज के समय में किराए पर मिलने वाले मकानों की कीमत साल-दर-साल बढ़ रही है, जिससे सभी लोग परेशान हैं। हालांकि, दुनिया में एक ऐसी जगह भी है, जहां पिछले 500 सालों से किराया बढ़ाया ही नहीं गया है। यकीनन आपके लिए इस पर विश्वास कर पाना थोड़ा मुश्किल हो रहा होगा, लेकिन जर्मनी में स्थित इस जगह पर साल 1521 के बाद से किराया नहीं बढ़ाया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह अनोखी जगह जर्मनी के ऑग्सबर्ग में स्थित फुग्गेरी कॉलोनी है। यहां पर एक-जैसे कई खूबसूरत घर बने हुए हैं, जिनमें रह रहे किरायेदारों को प्रति वर्ष केवल 77 रुपये ही देना पड़ता है। यह किराया करीब 500 साल पहले तय किया गया था और आज के समय में भी उतना ही है। इस जगह को साल 1516 में गरीब लोगों के लिए बनाया गया था और यह दुनिया की सबसे पुरानी सार्वजनिक आवास परियोजना है।

किसने बनाई यह कॉलोनी?

फुग्गेरी कॉलोनी की स्थापना 1514 में जैकब फुग्गर ने की थी। वह ऑग्सबर्ग में रहने वाले अमीर व्यक्ति थे इसलिए लोगों ने उन्हें 'जैकब फुग्गर द रिच' नाम दिया था। उन्होंने वहां के गरीब लोगों के लिए फुग्गेरी कॉलोनी का निर्माण शुरू करवाया था। उनका उद्देश्य कम कीमत में रहने की एक जगह उपलब्ध कराना था। इस आवासीय परिसर में 1523 तक 52 घर बनाए गए थे और इसमें 147 अपार्टमेंट हैं। फिलहाल धीरे-धीरे इस कॉलोनी का विस्तार जारी है।

500 साल पुरानी कॉलोनी में सभी सुविधाएं हैं मौजूद : कॉलोनी के अपार्टमेंट 45 से 65 वर्ग मीटर के बीच उपलब्ध हैं और साथ ही बाहर एक बगीचा और ऊपर एक बड़ी-सी छत भी है। यह जगह थोड़ी पुराने तरीके से बनी है, लेकिन यहां पर बिजली और पानी से लेकर हर सुविधा मौजूद है। इसके अनोखे किराए के कारण यहां पर आने वाले पर्यटकों की संख्या भी बढ़ती जा रही है इसलिए अब यहां के ट्रस्ट ने पर्यटकों से एंट्री फीस लेनी भी शुरू कर दी है।

स्विट्जरलैंडः दुर्लभ नीले हीरे की अंगूठी की नीलामी कल, करोड़ों में बिकने की उम्मीद

नई दिल्ली। हीरे दुनिया में सबसे कीमती चीजों में से एक होते हैं। ये कई आकार और रंग के होते हैं। आपने कोहिनूर हीरे के बारे में तो सुना ही होगा, लेकिन आज हम आपको एक बेशकीमती हीरे के बारे में बताएंगे, जो एक अंगूठी में जड़ा है। अंगूठी में लगे हीरे का नाम 'ब्लू रॉयल' है, जो अब तक खोजे गए सबसे दुर्लभ हीरो में से एक है। इसे स्विट्जरलैंड में दुर्लभ रत्नों की क्रिस्टी की बिक्री में नीलाम किया जाएगा।

7 नवंबर को होगी हीरे की नीलामी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ब्लू रॉयल हीरे से जड़ी इस अंगूठी की नीलामी स्विट्जरलैंड के जिनेवा में स्थित क्रिस्टी नीलामी घर में 7 नवंबर को होगी। इसकी नीलामी 416 करोड़ रुपये तक हो सकती है। इस दुर्लभ हीरे का रंग नीला और आकार बेहद खास है। इसके बारे में आयोजकों ने बताया है कि 17.6 कैरेट का यह हीरा बेहद खूबसूरत है, इसलिए इसे खरीदने में कई लोगों की दिलचस्पी है।

नीलामी में इन खास चीजों को भी किया जाएगा पेश : जानकारी के मुताबिक, यह नीलामी 3-16 नवंबर तक ऑनलाइन चलेगी। इसमें ब्लू रॉयल के अलावा मोतियों का एक हार भी पेश किया जाएगा।

सबसे महंगे पेड़-पौधे, लाखों-करोड़ों में कीमत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया में बेशकीमती चीजों की कमी नहीं है.,हालांकि, जब भी महंगी चीजों की बात आती है तो लोग सोना, हीरे-मोती और घर व कार का जिक्र करते हैं लेकिन, आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में इनके अलावा भी महंगे चीजे हैं, जिनमें पेड़-पौधे भी शामिल हैं। हम आपको दुनिया के सबसे महंगे पेड़-पौधों के बारे में बताने जा रहे हैं। इनकी कीमतें आपको एक पल के लिए हैरान कर सकती है क्योंकि, दाम लाखों से लेकर करोड़ों तक हैं।

10 करोड़ से ज्यादा का बोनसाई ट्री : दुनिया का सबसे महंगा पेड़ 'बोनसाइ ट्री' को कहा जाता है। जापान में एक समिट के दौरान यह 1.3 मिलियन डॉलर यानी 10 करोड़ से ज्यादा में बिका है। कहा जाता है कि यह पेड़ 800 साल से ज्यादा पुराना है। इनकी आयु भी काफी लंबी बताई जाती है। आज भी आपको 300-400 साल पुराने बोनसाई पेड़ देखने को मिल जाएंगे। खास बात है कि आप एक छोटे और एकदम नए बोनसाई ट्री को 1000-2000 रुपये में भी खरीद सकते हैं।

शेनझेन नोंगके आर्किड 10 करोड़ से ज्यादा

शेनझेन नोंगके आर्किड यह एक मानव निर्मित आर्किड है। चीन के कृषि वैज्ञानिकों को इस आर्किड की खेती करने में 8 साल लगे। यह पौधा 4 से 5 साल के लंबे वक्त के बाद तैयार होता है। इसे सजावट के साथ-साथ भूख मिटाने के लिए खाया भी जा सकता है। शेनझेन नोंगके आर्किड की कीमत करीब 2 लाख डॉलर यानी 10 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

वेरिएगेटेड फिलोडेनड्रोन मिनिमा 6 लाख में वेरिएगेटेड फिलोडेनड्रोन मिनिमा भी एक महंगा प्लांट है। न्यूजीलैंड के एक स्टोर में यह पौधा 8,150 डॉलर यानी 6 लाख में बेचा था। इस पौधे में तरह-तरह के चमकीले पत्ते होते हैं। इसकी पत्तियां ग्रीन और येलो रंगों की भी होती हैं। एक आम फिलोडेनड्रोन की कीमत 1400 से 2000 रुपये तक जाती है, लेकिन अलग-अलग किस्मों की वैल्यू अलग होती है।

कोई व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा 2 दिन, 4 दिन या बहुत ज्यादा 21 दिनों तक रह सकता है जिंदा

बिना खाना खाए भी महीनों जिंदा रह सकते हैं ये जानवर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खाने के बिना जीवन की कल्पना करना नामुमकिन है। कोई भी व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा 2 दिन, 4 दिन या बहुत ज्यादा 21 दिनों तक बगैर कुछ खाए पीये रह सकता है, लेकिन इससे ज्यादा नहीं क्योंकि उसे जिंदा रहने के लिए कुछ न कुछ खाने के लिए चाहिए।

हालांकि, धरती पर ऐसे कुछ जानवर और जीव हैं, जो बिना कुछ खाएं महीनों तक गुजार सकते हैं।

दो माह बिना खाना-पानी के रह जाता है ऊंट

ऊंट को रेगिस्तान का जहाज कहा जाता है। यह जानवर 2 महीने तक बिना खाना और पानी के आराम से गुजार सकता है। इससे उसकी सेहत पर कोई असर नहीं होता। दरअसल, ऊंट की पीठ पर कूबड़ यानी उसके उठे हुए हिस्से में वसा जमा होती है। ऊंट इसका इस्तेमाल खाना और पानी की कमी होने पर पोषण के स्रोत के रूप में करते हैं। भारत में राजस्थान में सबसे ज्यादा ऊंट पाए जाते हैं।

महीनों भूखी रहती है गिला मॉन्स्टर छिपकली

गिला मॉन्स्टर एक तरह की छिपकली है, जो काफी विषैली होती है। यह भी महीनों तक बिना कुछ खाए-पीये जिंदा रह सकती है। इसका कारण है कि इसके अंदर भी वसा भरपूर मात्रा में जमा होता है, जो खाना न मिलने पर ऊर्जा में बदल जाता है। यह छिपकली आमतौर पर दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका और उत्तर-पश्चिमी मैक्सिको में पाई जाती है। इससे सभी को बचना चाहिए क्योंकि अभी तक इसके जहर के असर को खत्म करने के लिए दवा नहीं है।

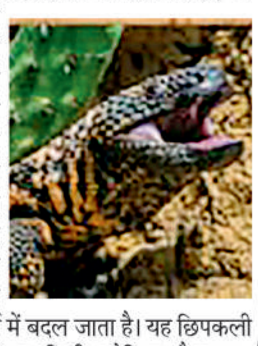

रेगिस्तानी कछुए कई महीनों के रहते हैं जिंदा

रेगिस्तानी कछुए लगभग 50 से 80 साल तक जिंदा रह सकते हैं। ये अपने मूत्राशय में बहुत ज्यादा पानी जमा करके रख लेते हैं, जिससे ये महीनों तक बगैर कुछ खाए पीये जिंदा रह सकते हैं। दरअसल, वे उसी एकत्र पानी को ऊर्जा में बदलकर खाने की जरूरत को पूरा कर लेते हैं। इसके कारण वे कई महीनों तक खुद को जिंदा रख पाते हैं। इसके साथ ही उनका चयापचय भी धीमा होता है।

कई माह बर्फ के कारण पेंगुइन नहीं करता शिकार

पेंगुइन अंटार्कटिका जैसे ठंडे क्षेत्रों में पाई जाती है। ये भी अन्य जानवरों की तरह महीनों तक बगैर भोजन के जिंदा रह सकती है क्योंकि ठंडे तापमान से इनकी भूख कम हो जाती है। इसके अलावा मादा पेंगुइन शिकार करने के लिए बाहर निकल जाती हैं, लेकिन नर पेंगुइन अंडों की सुरक्षा अंटार्कटिका में रहकर ही सर्दी का सामना करते हैं। इस दौरान वे कुछ भी नहीं खाते हैं।

चैटजीपीटी की तुलना में एक्सएआई 'ग्रोक' पर अधिक करंट इंफॉर्मेशन

■ नई दिल्ली (आईएएनएस)।

सैम ऑल्टमैन द्वारा संचालित ओपनएआई के चैटजीपीटी पर निशाना साधते हुए एलन मस्क ने रविवार को कहा कि एक्सएआई, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चैटबॉट ग्रोक में ट्रेडिशनल जीपीटी मॉडल की तुलना में अधिक करंट इंफॉर्मेशन उपलब्ध कराता है।

एक्सएआई 'ग्रोक' एआई असिस्टेंट यूजर्स को एक्स प्रीमियम प्लस के हिस्से के रूप में प्रदान किया जाएगा, जिसकी लागत प्रति माह 16 डॉलर है। एक्सएआई टीम ने कहा, ग्रोक एक एआई है जिसे 'हिचहाइकर गाइड टू द गैलेक्सी' के आधार पर तैयार किया गया है, इसका उद्देश्य लगभग किसी भी चीज का उत्तर देना है और इससे भी कठिन, यह भी सुझाव देना है कि कौन से प्रश्न पूछने हैं। ग्रोक को इंटेलिजेंस के साथ सवालों के जवाब देने के लिए डिजाइन किया गया है। टीम ने पोस्ट किया, ग्रोक का यूनीक और फंडामेंटल एडवांटेज यह है कि एक्स प्लेटफॉर्म के जरिए दुनिया का रियल-टाइम नॉलेज है। यह उन सवालों का भी जवाब देगा जिन्हें अधिकांश अन्य एआई सिस्टम द्वारा खारिज कर दिया गया है। कंपनी ने कहा कि 'ग्रोक' प्रारंभिक बीटा प्रोडक्ट है, जिसे हम 2 महीने के ट्रेनिंग के साथ सबसे अच्छा कर सकते हैं, इसलिए उम्मीद करें कि आपकी मदद से प्रत्येक गुजरते सप्ताह के साथ इसमें तेजी से सुधार होगा। मस्क ने जवाब दिया कि ग्रोक बनाम टिपिकल जीपीटी में, ग्रोक के पास करंट इंफॉर्मेशन है, लेकिन अन्य के पास नहीं है।

हिंसा को सोशल मीडिया 'फीड' से दूर रखने का प्रयास

■ सोशल मीडिया भ्रामक सूचना, घृणा और संघर्ष को बढ़ावा देने के लिए एक विषैला मंच भी बन सकता है और बन गया है

■ ज्यादातर लोग सोशल मीडिया से दूर नहीं रह सकते या रहना नहीं चाहते। अदालतों और सरकारी निकायों द्वारा इसे नियंत्रित या निगमित करने के प्रयास धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं

वाशिंगटन (द कन्वरसेशन)। सोशल मीडिया मंच सूचना और मनोरंजन का बड़ा स्रोत हैं। वे दोस्तों तथा परिवार से संपर्क बनाए रखने में भी हमारी मदद करते हैं, लेकिन सोशल मीडिया भ्रामक सूचना, घृणा और संघर्ष को बढ़ावा देने के लिए एक विषैला मंच भी बन सकता है और बन गया है। ज्यादातर लोग सोशल मीडिया से दूर नहीं रह सकते या रहना नहीं चाहते। अदालतों और सरकारी निकायों द्वारा इसे नियंत्रित या निगमित करने के प्रयास धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं लेकिन ये अभी तक असफल रहे हैं।

सोशल मीडिया उपयोगकर्ता इस दुविधा में हैं : परेशान करने वाली, नुकसान पहुंचाने वाली या गैरकानूनी सामग्री के संपर्क में आए बिना सोशल मीडिया से कैसे लाभ उठाया जाए। बढ़ते वैश्विक तनाव और संघर्ष के दौर में यह एक मुद्दा बन गया है। यूक्रेन में संघर्ष और गाजा युद्ध दोनों ने किसी के 'फीड' में भयावह और हानिकारक छवियां दिखने का जोखिम बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पर खबरों को लेकर अनुसंधान पर आधारित यह लेख आपके सोशल मीडिया फीड में संपादन करने का मार्गदर्शन देता है ताकि यह सुनिश्चित किया जाए कि जो सामग्री आप देखते हैं वह आपकी जरूरतों के अनुरूप हो और विचलित करने वाली न हो। इसे व्यापक सोशल मीडिया श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। यहां थ्रेड्स, मैस्टोडन, पोस्ट और ब्लूस्काई जैसी नयी सेवाओं की बात नहीं हो रही, लेकिन यह सिद्धांत सामान्यतः सभी पर लागू हैं। मोबाइल फोन पर इन ऐप को इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है क्योंकि ज्यादातर उपयोगकर्ता यही करते हैं। ज्यादातर वीडियो सामग्री पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। सोशल मीडिया सूचना के आदान-प्रदान और सीखने के लिए एक प्रभावशाली उपकरण हो सकता है लेकिन इसमें भी खामी है। अपने फीड के प्रबंधन के लिए आप जो भी रवैया अपनाएं, उसमें सतर्क और संशयपूर्ण रहें। नीतियों और उपयोगकर्ता सहमतियों के लिए आने वाले अपडेट्स पर ध्यान दें और इस पर सावधानीपूर्वक विचार करें कि आप किस पर भरोसा करते हैं और किसे फॉलो करते हैं। संगठन और लोग यह सुनिश्चित करने में अपना पैसा और वक्त लगाते हैं कि लोग उनके पोस्ट को देखें। यह भी याद रखना महत्वपूर्ण है कि सशुल्क सामग्री केवल बिक्री के लिए सामान और सेवाएं ही नहीं होती बल्कि राजनीतिक या सामाजिक एजेंडा भी हो सकती है और अक्सर इसे छिपाया जाता है। यह फर्जी खबर और जानबूझकर गलत सूचना देने का आधार होता है। टिकटॉक के अलावा सभी सोशल मीडिया मंच पर इसकी कुंजी उन लोगों का सावधानीपूर्वक चयन करना है जिन्हें आप फॉलो करते हो।

गांगेय डाल्फिन

के संरक्षण से बढ़ेगा गंगा का आकर्षण व जैव विविधता

■ लखनऊ (आईएएनएस)।

उत्तर प्रदेश में गांगेय डाल्फिन के संरक्षण की कवायद अब तेज हो गई है। इसी कारण चंद रोज पहले सरकार ने इसे राज्य का जलीय जीव घोषित कर दिया। नदी की जैव विविधता को बनाए रखने में इनकी अहम भूमिका होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस घोषणा से लुप्तप्राय हो रहे इस स्तनधारी जीव (मैमल्स) के सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन पर फोकस बढ़ेगा। इससे इनकी संख्या भी बढ़ेगी और ये गंगा का आकर्षण भी बढ़ाएगी।

■ इनकी कुल संख्या 2000 के आसपास है तो उत्तर प्रदेश में इनकी संख्या 1600 से 1700 तक हो सकती है

गांगेय डॉल्फिन की संख्या भी उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक है। एक अनुमान के मुताबिक अगर इनकी कुल संख्या 2000 के आसपास है तो उत्तर प्रदेश में इनकी संख्या 1600 से 1700 तक हो सकती है। ऐसे में इनके संरक्षण और संवर्धन की सर्वाधिक जिम्मेदारी भी उत्तर प्रदेश की ही बनती है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक अंजनी आचार्य कहते हैं कि ये फ्रेश वाटर डॉल्फिन है।

अभी भारत सरकार के साथ मिलकर गणना हुई है। इनकी संख्या काफी बढ़ी है। तकरीबन दो हजार से ज्यादा हैं। इन्हें राज्य का जीव घोषित होने के बाद इनके संरक्षण पर हमारा फोकस बढ़ जाता है। हम अब नदी के किनारे रहने लोगों को वाले इसके संरक्षण और और सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। इसकी आधी से ज्यादा आबादी सिर्फ यूपी में ही पाई जाती है। इसलिए जिम्मेदारी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया गेरुआ, चंबल, घाघरा में पाई जाती है। गंगा में इनकी संख्या सर्वाधिक है। आने वाले कुछ वर्षों में ये गंगा नदी के आकर्षण का केंद्र बनेंगी। बीबीएयू के इनवायरमेंट साइंस विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेंकटेश दत्ता ने बताया किडॉल्फिन गंगा बेसिन में पाए जाते हैं। यह विलुप्तप्राय जीव है। मछली नहीं मैमल्स है। यह मछलियों की तरह अंडा नहीं देती। किसी भी स्तनधारी की तरह बच्चे पैदा करती है। इनकी प्रजनन क्षमता कम होती है। तीन चार साल के अंतराल पर एक मादा एक या दो बच्चे ही देती है। इसलिए भी इनका संरक्षण जरूरी है। प्रदूषण बढ़ने से इन्हे परेशानी होती है। शिप और क्रूज से परेशानी होती है। डाल्फिन की सक्रियता को नदी के जल के अपेक्षाकृत साफ होने का सूचक माना जाता है। प्रदूषित जल में यह जलीय जीव अपना निवास नहीं बनाता है। उन्होंने बताया कि डॉल्फिन एक तरह से बायो इंडिकेटर का भी काम करती हैं। ऐसे में इनकी उपलब्धता यह बताती है कि पानी की गुणवत्ता ठीक ठाक है। ये देख नहीं पाती। शिकार के लिए ये आवाज निकालती हैं।

उनकी आवाज शिकार से टकराकर जब वापस उन तक पहुंचती है तो उन्हें शिकार की लोकेशन का पता चल जाता है। इसे जलीय जीव घोषित करने पर इसका संरक्षण होगा। मीठे जल में रहना अन्य जीवों के स्वस्थ्य रहने का संकेत माना जाता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि डॉल्फिन अपेक्षाकृत बुद्धिमान होती है। इंसान से इसकी दोस्ती जगजाहिर है। दरअसल यह सांस लेने के लिए हर कुछ मिनट के अंतराल पर नदी की सतह पर आती है। इसीलिए यह अपेक्षाकृत कम गहरी नदियों में ही मिलती है। यमुना जो गंगा की सहायक नदी है उसकी गहराई के ही कारण उसमें डॉल्फिन का मिलना अपवाद है।

आपके हस्ताक्षर का वजन क्या है?

■ रांची (आईएएनएस)।

क्या आपने कभी सोचा है कि किसी कागज, फाइल, दस्तावेज या बैंक चेक पर आप जो हस्ताक्षर करते हैं, उसका वजन भी मापा जा सकता है? जी हां, यह संभव है। भारत में सिर्फ रांची के कांके स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी (आईआईएलएम) के पास यह तकनीक है कि वह किसी के भी हस्ताक्षर का वजन बता दे।

यह संस्थान इस तकनीक के आधार पर किसी व्यक्ति के हस्ताक्षर के असली-नकली होने की पहचान कर सकता है।

■ माइक्रो बैलेंस तकनीक पर आधारित उपकरण की मदद से सूक्ष्म से सूक्ष्म द्रव्यमान की वस्तुओं के सटीक वजन का पता लगा लिया जाता है

आईआईएलएम के विशेषज्ञ बताते हैं कि यहां माइक्रो बैलेंस तकनीक पर आधारित उपकरण की मदद से सूक्ष्म से सूक्ष्म द्रव्यमान की वस्तुओं के सटीक वजन का पता लगा लिया जाता है। इसकी मदद से न सिर्फ हस्ताक्षर, हमारे शरीर के छोटे से बाल, यहां तक कि हमारे द्वारा छोड़ी जाने वाली एक सांस का भी शत-प्रतिशत सटीक एवं मानक माप विश्लेषण किया जा सकता है। माइक्रोबैलेंस मशीन अत्यधिक संवेदनशील है। खराब मौसम या धूल का एक कण भी इसकी सटीकता को प्रभावित कर सकता है। हस्ताक्षर का वजन माइक्रोग्राम में मापा जाता है। एक माइक्रोग्राम एक मिलिग्राम का एक हजारवां भाग होता है।

इस तकनीक से की जाने वाली माप के जरिए असली-नकली हस्ताक्षर की पहचान की जाती है। संस्थान के एक पूर्व निदेशक बताते हैं, दिलचस्प बात यह कि जाली हस्ताक्षर का वजन असली हस्ताक्षर से ज्यादा होता है। इसके पीछे की वजह यह है कि कोई भी व्यक्ति अपने स्वाभाविक अंदाज में हस्ताक्षर करता है, जबकि उसकी हू-ब-हू नकल का प्रयास करने वाला व्यक्ति कलम पर अधिक दबाव डालने के लिए बाध्य होता है। आईआईएलएम यानी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी, माप-तौल के लीगल पैरामीटर तय करने और इसके मानक तकनीकों पर प्रशिक्षण देने वाला पूरे दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में अपनी तरह का अनूठा और एकमात्र शीर्ष संस्थान है। यहां के उच्च मानकों की ख्याति ऐसी है कि अब तक यहां 32 देशों के हजारों अधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।

यह इंस्टीट्यूट केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के उपभोक्ता मामले विभाग के प्रत्यक्ष नियंत्रण में काम करता है। इस इंस्टीट्यूट की स्थापना का इतिहास भी दिलचस्प है। इसकी वेबसाइट में दी गई जानकारी के अनुसार, भारत में मीट्रिक प्रणाली लागू होने से पहले ही बाट और माप के प्रशिक्षण के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान की आवश्यकता समझी गयी।

प्रीतम! 'डंकी' के लिए सुपरहिट गाना दीजिए'

मुंबई (आईएएनएस)। हाल ही में अपना 58वां जन्मदिन मना चुके बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने रविवार को म्यूजिक कंपोजर और सिंगर प्रीतम चक्रवती से अपनी अपकमिंग फिल्म 'डंकी' के लिए बेहतरीन गाने देने का अनुरोध किया। 2 नवम्बर को, प्रीतम ने शाहरुख को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा, जन्मदिन मुबारक हो 'सर! आप प्यार की मूर्ति हैं आज और हर दिन आपका है।' प्रीतम ने शारुख के साथ बिहाइंड द सीन का वीडियो साझा किया, जिसमें दोनों को 'सफर' गाने पर थिरकते देखा जा सकता है।

यह गाना शाहरुख और अनुष्का शर्मा की फिल्म 'जब हैरी मेट सेजल' का है। इसे अरिजीत सिंह और प्रीतम ने गाया है। रविवार को, शाहरुख ने प्रीतम को धन्यवाद दिया और पोस्ट में लिखा, 'धन्यवाद दादा। अब मुझे डंकी के लिए एक बढ़िया गाना दिलवाओ!!! लव यू।' वास्तविक जीवन के अनुभवों से प्रेरित, 'डंकी' प्यार और दोस्ती की एक कहानी है। जियो स्टूडियोज, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स प्रोडक्शन की यह फिल्म गौरी खान के साथ राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित और सह-निर्मित है। अभिजात जोशी, राजकुमार हिरानी और कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित, 'डंकी' की रिलीज इस साल क्रिसमस के लिए निर्धारित है।

दीवानगी के सीक्वल में काम करेंगे अजय देवगन!

मुंबई,(वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन अपनी सुपरहिट फिल्म दीवानगी के सीक्वल में काम करते नजर आ सकते है। अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी वर्ष 2002 में प्रदर्शित थ्रिलर फिल्म दीवानगी में अजय देवगन ने मुख्य भूमिका निभाई थी। कहा जा रहा है कि अनीस बज्मी एक ऐसी स्क्रिप्ट पर काम कर रहे है जो दीवानगी की कहानी को आगे ले जाए। फिल्म दीवानगी अजय के किरदार तरंग के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक हत्या के लिए दोषी ठहराए जाने से बचने के लिए स्प्लिट पर्सनैलिटी डिसआर्डर होने का नाटक करता है।इस फिल्म में अक्षय खन्ना ने उनके वकील की भूमिका निभाई थी। चर्चा है कि अजय देवगन ने ही अनीस बज्मी को दीवानगी फि दूसरी किस्त की संभावना तलाशने का सुझाव दिया था।

सिंघम अगेन से अक्षय का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार का आने वाली फिल्म सिंघम अगेन से फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। रोहित शेट्टी जल्द ही अपनी फेमस कॉप यूनिवर्स की फिल्म सिंघम फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट 'सिंघम अगेन' लेकर आने वाले हैं। सिंघम अगेन में अजय देवगन की मुख्य भूमिका होगी। फिल्म सिंघम अगेन में अक्षय कुमार और रणवीर सिंह की कैमियो भूमिका है। इस फिल्म से अक्षय कुमार का फर्स्ट लुक जारी कर दिया गया है। रोहित शेट्टी ने'सिंघम अगेन'में अक्षय कुमार का वेलकम सीन खास पोस्ट के साथ शेयर किया है। अक्षय कुमार हेलीकॉप्टर से छलांग लगाते हुए हाथों में राइफल लिए नजर आ रहे है। फिल्म'सिंघम 3'में अजय देवगन,करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ नजर आएंगे।

शाहरुख की 'डंकी' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान की आने वाली फिल्म डंकी का नया पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार हिरानी के निर्देशन में बनी फिल्म डंकी का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ था। डंकी का नया पोस्टर रिलीज कर दिया गया है,जिसमें शाहरुख खान, तापसी पन्नू, विक्रम कोचर, अनिल ग्रोवर और विक्की कौशल जैसे पांच किरदारों को एक साथ दिखाया गया है। यह पोस्टर दोस्ती और चुनौतियों के बारे में है, जिनसे वे अपने सपनों को हासिल करने के लिए एक साथ गुजरते हैं। शाहरुख खान ने फिल्म डंकी के पोस्टर को शेयर कर लिखा है, हम बिलकुल वैसे दिख रहे है जैसे राजू सर ने अपने उल्लू के पट्ठों को इमेजिन किया था। फिल्म डंकी जिओ स्टूडियो, रेड चिली एंटरटेनमेंट और राजकुमार हिरानी फिल्म्स की प्रस्तुति, राजकुमार हिरानी और गौरी खान द्वारा निर्मित है।

सचिन ने किया हैदराबाद हाफ मैराथन का उदघाटन

हैदराबाद (वार्ता)। अपने समय के दिग्गजे क्रिकेट खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर ने रविवार को एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस हैदराबाद हाफ मैराथन 2023 का उद्घाटन किया। आज सुबह गाचीबोवली स्टेडियम में आठ हजार उत्साही धावकों के बीच सचिन तेंदुलकर ने एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस हैदराबाद हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाई। सचिन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''एजेस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस हैदराबाद हाफ मैराथन 2023 के लिए लगभग 8,000 उत्साही धावकों को भाग लेते देखना शानदार था। मै व्यक्तिगत रूप से दृष्टिबाधित धावकों के साहस से प्रभावित हुआ। वे हम सभी के लिए प्रेरणा है। हमारे ग्रह के स्वास्थ्य की देखभाल करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि हमारे स्वयं के स्वास्थ्य की देखभाल करना। इस दिशा में एक पहल यह है कि सभी मैराथन प्रतिभागियों की ओर से हमारे द्वारा 10 हजार पेड़ लगाए जा रहे है।'

चंडीगढ़ में रणबीर कपूर और अरिजीत सिंह ने मचायी धूम

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर हाल ही में चंडीगढ़ में प्लेबैक सिंगर अरिजीत सिंह के कॉन्सर्ट में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्टेज पर अरिजीत के साथ 2016 में आई करण जौहर निर्देशित फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' का हिट सॉन्ग 'चन्ना मेरेया' गाया। रणबीर और अरिजीत ने 'सूरज डूबा है', 'कबीरा एनकोर', 'अगर तुम साथ हो', 'दिल्लीवाली गर्लफ्रेंड', 'केसरिया' और अन्य कुछ शानदार गाने दिए हैं। अरिजीत ने चंडीगढ़ में रणबीर की अपकमिंग फिल्म 'एनिमल' के 'सतरंगा' के लाइव वर्जन के साथ फैंस का मनोरंजन किया। यह पहली बार है, जब दोनों सितारों ने स्टेज पर परफॉर्म किया। 'एनिमल' 1 दिसम्बर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस दिन विक्की कौशल-स्टारर 'सैम बहादुर' भी रिलीज होगी। दोनों एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देंगी। 'एनिमल' में बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और अनिल कपूर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'एनिमल' भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज, मुराद खेतानी के सिने1 स्टूडियो और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत है। यह फिल्म 'कबीर सिंह' फेम संदीप रेड्डी वांगा द्वारा निर्देशित है। यह क्राइम ड्रामा है।

शीर्ष स्कोरर	शीर्ष विकेट टेकर
क्विंटन डिकॉक	एडम जम्पा
550 रन	19 विकेट
दक्षिण अफ्रीका	श्रीलंका

वर्ल्ड कप : अंक तालिका

टीम	खेले	जीते	हारे	अंक
भारत	8	8	0	16
द. अफ्रीका	8	6	2	12
ऑस्ट्रेलिया	6	4	2	8
न्यूजीलैंड	8	4	4	8
पाकिस्तान	8	4	4	8
अफगानिस्तान	7	4	3	8
श्रीलंका	7	2	5	4
नीदरलैंड्स	7	2	5	4
बांग्लादेश	7	1	6	2
इंग्लैंड	6	1	5	2

खबर संक्षेप

हवा की गुणवत्ता आदर्श नहीं : हथुरासिंघे

नई दिल्ली। बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरासिंघे ने श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप मैच से पहले रविवार को यहां गंभीर रूप से खराब वायु गुणवत्ता सूचकांक पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वे खिलाड़ियों के जोखिम को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। दिल्ली एनसीआर में पिछले चार दिनों से जहरीली धुंध की मोटी परत छाई हुई है। शहर में मंगलवार तक प्रदूषण के ऐसे ही बने रहने की संभावना है। आईसीसी ने हालांकि कहा था कि मैच को लेकर कोई भी फैसला उस दिन सुबह की परिस्थितियों का आकलन करने के बाद होगा।

पाक खिलाड़ियों पर 10 फीसदी जुर्माना

बेंगलुरु। पाकिस्तान के खिलाड़ियों पर न्यूजीलैंड के खिलाफ शनिवार को यहां खेले गए विश्व कप के लीग मैच में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। पाकिस्तान ने बारिश से प्रभावित इस मैच में डकवर्थ लुईस पद्धति से 21 रन से जीत दर्ज करके विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा, 'एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी के रिची रिचर्डसन ने पाया कि बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम किए हैं इसके बाद उन्होंने टीम के खिलाड़ियों पर यह जुर्माना लगाया।'

कोलकाता पुलिस का बीसीसीआई को नोटिस

कोलकाता। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को यहां चल रहे विश्व कप क्रिकेट मुकाबले की टिकटों की कालाबाजारी के आरोपों के बीच कोलकाता पुलिस ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड अध्यक्ष रोजर बिन्नी को नोटिस जारी कर मुकाबले के टिकटों की बिक्री के बारे में जानकारी मांगी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार देर शाम जारी किए गए नोटिस में बीसीसीआई अध्यक्ष से मैदान पुलिस थाने के अधिकारी को दस्तावेज जमा करने के लिए कहा गया है जो टिकटों की कालाबाजारी के संबंध में शिकायतों की जांच कर रहे हैं।

अफगान की सफलता का श्रेय जडेजा को

मुंबई। अफगानिस्तान को मौजूदा वनडे विश्व कप में अपने अभियान के दौरान भारत के पूर्व हरफनमौला अजय जडेजा की मौजूदगी से फायदा हुआ है जिससे तालिका में छठे स्थान पर कायम यह टीम सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ में बनी हुई है। जडेजा विश्व कप के दौरान अफगानिस्तान टीम में मेंटोर की भूमिका निभा रहे हैं। अफगानिस्तान को अपने अगले मैच में मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है।

वर्ल्ड कप : आठ मैचों में 16 अंक लेकर शीर्ष पर टीम इंडिया

भारत की विराट जीत, कोहली का रिकार्ड शतक, दक्षिण अफ्रीका की सबसे बड़ी हार

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारत ने 'फाइनल की ड्रेस रिहर्सल' माने जा रहे मैच में रविवार को दक्षिण अफ्रीका को 243 रन से हराकर विश्व कप में लगातार आठवीं एकतरफा जीत दर्ज की। शीर्ष दो टीमों के मुकाबले में विराट कोहली (नाबाद 101) और श्रेयस अय्यर (77) के बीच 134 रन की साझेदारी के दम पर भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 326 रन बनाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 27.1 ओवर में 83 रन पर आउट हो गई।

श्रीलंका के खिलाफ पिछले मैच में 302 रन से मिली जीत में शतक से 12 रन से चूके कोहली ने आखिरकार यहां अपने 289वें मैच में 277वीं पारी में 49वां शतक जमाया। ईडन गार्डन पर जमा करीब 65000 दर्शकों की अपेक्षाओं पर खरे उतरते हुए कोहली ने यह यादगार पारी खेली। इस जीत के बाद भारत आठ मैचों में 16 अंक लेकर शीर्ष पर है और उसे आखिरी लीग मैच बेंगलुरु में 12 नवंबर को नीदरलैंड से खेलना है। दक्षिण अफ्रीका इतने ही मैचों में 12 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है और दोनों टीमों के विश्व कप फाइनल में भिड़ने की संभावना जताई जा रही है।

79वां अंतरराष्ट्रीय शतक

भारतीय पारी का आकर्षण 35वां जन्मदिन मना रहे विराट का शतक रहा। तेंदुलकर ने 463 वनडे की 452 पारियों में 49 शतक और 96 अर्धशतक बनाए थे हालांकि उस समय खेल के नियम अलग थे। सचिन के नाम सौ अंतरराष्ट्रीय शतक हैं जबकि कोहली का यह 79वां अंतरराष्ट्रीय शतक है जिन्होंने टेस्ट में 29 और टी20 में भी एक शतक बनाया है।

अफ्रीका की शर्मनाक हार

भारत ने साउथ अफ्रीका को 243 रन के अंतर से हराया, ये साउथ अफ्रीका की वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ी हार रही। इससे पहले 2002 में टीम को पाकिस्तान ने 182 रन से हराया था। इससे पहले साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया की सबसे बड़ी जीत 2010 में आई थी, तब टीम को 153 रन से जीत मिली थी।

सचिन ने दी बधाई

कोहली के 49वें शतक पर सचिन तेंदुलकर ने मजाकिया लहजे में लिखा- *'मैं इसी साल 50 साल का हुआ हूं और मुझे 49 से 50 तक पहुंचने में 365 दिन लग गए। मुझे उम्मीद है कि आप 49 से 50 का सफर अगले कुछ दिनों में तय कर लेंगे।'*

सबसे तेज 49 शतक

विराट कोहली सबसे तेज 49 वनडे शतक तक पहुंचने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 277वीं पारियों में यह अचीवमेंट हासिल की है। सचिन तेंदुलकर ने 451 पारियों में इतने शतक जमाए थे।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित का बावुमा बो रबाडा	40	24	6	2
शुभमन गिल बो महाराज	23	24	4	1
विराट कोहली नाबाद	101	121	10	0
अय्यर का मार्करम बो एंगिडि	77	87	7	2
राहुल का डुसेन बो जेनसन	8	17	0	0
सूर्यकुमार का डिकॉक बो शम्सी	22	14	5	0
रविंद्र जडेजा नाबाद	29	15	3	1

अतिरिक्त : 26, कुल : 50 ओवर में 326/5

गेंदबाजी : एंगिडि 8.2-0-63-1, जैनसन 9.4-0-94-1, रबाडा 10-1-48-1, महाराज 10-0-30-1, शम्सी 10-0-72-1, मार्करम 2-0-17-0.

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
क्विंटोन डिकॉक बो सिराज	05	10	1	0
तेम्बा बावुमा बो जडेजा	11	19	1	0
डुसेन पगबाधा बो शमी	13	32	1	0
मार्करम का राहुल बो शमी	09	06	2	0
क्लासेन पगबाधा बो जडेजा	01	11	0	0
डेविड मिलर बो जडेजा	11	11	2	0
जेनसन का जडेजा बो कुलदीप	14	30	1	0
केशव महाराज बो जडेजा	07	11	1	0
रबाडा का और बो जडेजा	06	26	0	0
लुंगी एंगिडि बो कुलदीप	00	03	0	0
तबरेज शम्सी नाबाद	04	04	1	0

अतिरिक्त : 02, कुल : 27.1 ओवर में 83/10

गेंदबाजी : बुमराह 5-0-14-0, सिराज 4-1-11-1, जडेजा 9-1-33-5, शमी 4-0-18-2, यादव 5.1-1-7-2.

जोकोविच ने जीता सातवां पेरिस मास्टर्स खिताब

एजेंसी ▶▶| पेरिस

सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने रविवार को यहां पुरुष एकल फाइनल में ग्रिगोर दिमित्रोव को सीधे सेट में 6-4, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता।

जोकोविच ने सातवीं बार पेरिस मास्टर्स का खिताब जीतकर अपने ही रिकॉर्ड में सुधार किया। जोकोविच अब अगले सप्ताहांत शुरू होने वाले सत्रांत टूर्नामेंट एटीपी फाइनल्स में लगातार 18 जीत के क्रम के साथ उतरेंगे जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ होगा। जोकोविच ने जुलाई में विंबलडन फाइनल में कार्लोस अल्कारेज के खिलाफ शिकस्त के बाद से कोई मैच नहीं गंवाया है।

जीत से फाइनल में पहुंची जेसिका पेगुला

कैनकन। *जेसिका पेगुला ने अमेरिकी ओपन की विजेता कोको गॉफ को आसानी से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। अमेरिका की पेगुला ने अपने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और हमवतन गॉफ को 6-2, 6-1 से पराजित किया। उन्होंने पहली बार इस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। यह 2002 के बाद पहला अवसर है जबकि अमेरिका की दो खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में आमने-सामने थी। पेगुला फाइनल में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और नंबर दो खिलाड़ी इगा स्वियाटेक के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़गी। बारिश के कारण यह मैच पूरा नहीं हो पाया था। बारिश के कारण जब मैच रोका गया तब स्वियातेक पहले सेट में 2-1 से आगे चल रही थी।*

इंग्लिश प्रीमियर लीग में फिर से शीर्ष पर पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

बेहतरीन फॉर्म में चल रहे जेरेमी डोकू के शानदार प्रदर्शन से मैनचेस्टर सिटी ने बोर्नमाउथ को 6-1 से करारी शिकस्त देकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। एक अन्य मैच में आर्सेनल को न्यूकासल से 0-1 से हार का सामना करना पड़ा।

इससे मैनचेस्टर सिटी को चोटी पर पहुंचने में मदद मिली। सिटी के अब 11 मैच में 27 अंक हो गए हैं जबकि आर्सेनल के इतने ही मैच में 24 अंक हैं और वह टोटेनहैम के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गया है। बेल्जियम के जेरेमी डोकू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने सिटी की तरफ से एक गोल किया जबकि चार अन्य गोल करने में मदद की। इससे सिटी ने वर्तमान सत्र में अपने घरेलू मैदान पर सभी मैच जीतने का रिकॉर्ड बरकरार रखा।

वैशाली ग्रैंडमास्टर बनने के करीब चीन की झोंगयी को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| आइल ऑफ मैन

ग्रैंडमास्टर बनने के करीब पहुंची भारत की आर वैशली ने पूर्व महिला विश्व चैंपियन चीन की झोंगयी टेन को हराकर 10वें दौर के बाद यहां फिडे महिला ग्रां प्री में एकल बढ़त बरकरार रखी।

वैशाली अपने छोटे भाई आर प्रज्ञानानंदा के साथ अपने-अपने वर्ग के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली भाई-बहन की पहली जोड़ी बनी। ये दोनों अगले साल कनाड में चुनौती पेश करेंगे और विश्व चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाने का प्रयास करेंगे। वैशाली की 'लाइव रेटिंग' भी 2498 तक पहुंच गई है और वह ग्रैंडमास्टर बनने से सिर्फ दो अंक दूर हैं। अगर वह ऐसा करने में सफल रहती हैं तो यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया में भाई-बहन की पहली जोड़ी बनेगी। वैशाली आठ अंक के साथ शीर्ष पर हैं जबकि यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक उनसे आधा अंक पीछे है। मुजिचिक से आधा अंक पीछे मंगोलिया की बातखुयाग मुनगुतुल हैं जिनसे वैशाली अंतिम दौर में भिड़ेगी। अंतिम दौर का नतीजा चाहे कुछ भी रहे वैशाली कम से कम दूसरे स्थान पर रहना तय है।

नारायण ने की क्रिकेट से संन्यास की घोषणा

पोर्ट ऑफ स्पेन। वेस्टइंडीज के दिग्गज स्पिनर सुनील नारायण ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। आईसीसी टी20 विश्व कप 2012 जीतने वाली वेस्टइंडीज की टीम के सदस्य रहे नारायण ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला अगस्त 2019 में प्रोविडेंस में भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के रूप में खेला था। पैंतीस साल के नारायण ने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, 'मुझे आखिरी बार वेस्टइंडीज की ओर से खेले चार साल से अधिक समय हो गया लेकिन आज मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करता हूं।सार्वजनिक तौर पर मैं कम बोलने वाला व्यक्ति हूं लेकिन निजी तौर पर कुछ ऐसे लोग हैं जिन्होंने मेरे पूरे करियर में मुझे अटूट समर्थन दिया है और वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करने के मेरे सपने को साकार करने में मेरी मदद की है।

भारत ने जीता महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

एजेंसी ▶▶| रांची

भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को यहां एकतरफा फाइनल में जापान को 4-0 से हराकर एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी का खिताब जीत लिया। भारत के लिए संगीता (17वें मिनट), नेहा (46वें मिनट), लालरेमसियामी (57वें मिनट) और वंदना कटारिया (60वें मिनट) ने गोल दागे। संगीता और वंदना ने मैदानी गोल दागे जबकि नेहा और लालरेमसियामी ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए।

कोबायाकावा शिहो ने 22वें मिनट में जापान के लिए गोल किया था लेकिन वीडियो रेफरल के बाद उनके इस प्रयास को खारिज कर दिया गया। जापान को 52वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक भी मिला था लेकिन काना उराता के शॉट को भारतीय गोलकीपर सविता पूनिया ने रोक दिया। भारत ने इससे पहले टूर्नामेंट के लीग चरण और एशियाई खेलों के कांस्य पदक के प्लेऑफ में भी जापान को 2-1 के समान अंतर से हराया था।

रमेश, प्राजक्ता ने जीती हैदराबाद हाफ मैराथन

हैदराबाद। तेलंगाना के बी रमेश चंद्रा और महाराष्ट्र की प्राजक्ता गोडबोले ने रविवार को यहां हैदराबाद हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते। रमेश ने एक घंटे 13 मिनट और 10 सेकंड में 21.1 किलोमीटर की दौड़ पूरी करके पहला स्थान हासिल किया।

सतीश कुमार (1.15:50) और पीयूष मसाने (1.16:56) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में 28 वर्षीय प्राजक्ता ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए हाफ मैराथन की दूरी को एक घंटे 23 मिनट और 45 सेकंड में तय किया। प्रीनू यादव (1.24.46) और तेजस्विनी उम्बकाने (1.25.11) ने उनके बाद दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। इस दौड़ में 8000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण से सांस लेना मुश्किल

श्रीलंका-बांग्लादेश मैच पर छाए अनिश्चितता के बादल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण के कारण श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच सोमवार को यहां होने वाले विश्व कप मैच पर अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं और यह देखना होगा कि खिलाड़ियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जाती है या मैच को। जहरीली धुंध ने राष्ट्रीय राजधानी को अपने आगोश में ले रखा है जिससे दोनों टीमों को कम से कम एक बार अपना अभ्यास सत्र रद्द करना पड़ा था क्योंकि वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में बना हुआ है।

श्रीलंका ने शनिवार को अपना अभ्यास सत्र रद्द कर दिया था लेकिन बांग्लादेश के खिलाड़ी मास्क पहनकर फिरोजशाह कोटला में शाम को अभ्यास के लिए पहुंचे थे। बांग्लादेश ने इससे पहले शुक्रवार को प्रदूषण के कारण अपना अभ्यास सत्र रद्द कर दिया था। गुरुवार से ही एक्यूआई 400 से ऊपर बना है तथा वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के अनुसार मंगलवार तक इसके 'गंभीर' बने रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार रविवार सुबह एक्यूआई 457 रहा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने स्पष्ट कर दिया है कि मैच के बारे में फैसला मैच वाले दिन ही किया जाएगा जब सोमवार को मैच अधिकारी वायु गुणवत्ता की जांच करेंगे। आईसीसी के खेल की परिस्थितियों से जुड़े अनुच्छेद 2.8 के अनुसार, 'अगर किसी भी समय अंपायर इस बात पर सहमत होते हैं कि मैदान, मौसम या रोशनी या कोई अन्य परिस्थितियां खतरनाक या अनुचित हैं, तो वे तुरंत खेल को निलंबित कर देंगे या खेल शुरू करने या फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं देंगे।'

श्रीलंका की बची धुंधली उम्मीद

अगर मुकाबले की बात करें तो बांग्लादेश पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है जबकि श्रीलंका की धुंधली उम्मीद बची हुई है। बांग्लादेश की टीम 10 टीमों की अंक तालिका में नौवें स्थान पर है और वह प्रतिष्ठा की खातिर इस मैच में उतरेगी। श्रीलंका की टीम सातवें स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस स्थान पर बने रहकर पाकिस्तान में 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई करना होगा। इन दोनों देशों के बीच अभी तक जो 53 वनडे खेले गए हैं उनमें से श्रीलंका ने 42 में जीत दर्ज की है जबकि 9 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा।

तेंदुलकर जितना बेहतरीन नहीं बन पाऊंगा पर अपने नायक के रिकॉर्ड की बराबरी करना खासः कोहली

क्रिकेट के मैदान में कई शानदार पारियां खेलने के बावजूद विराट कोहली सचिन तेंदुलकर के प्रशंसक बने हुए हैं। उन्होंने अपने आदर्श खिलाड़ी के 49 एकदिवसीय शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद बिना किसी हिचकिचाहट के स्वीकार किया कि वह कभी भी मुंबई के इस दिग्गज की बराबरी नहीं कर पायेंगे। कोहली के एकदिवसीय करियर की 49वीं शतकीय पारी के दम पर भारत ने पांच विकेट पर 326 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका की पारी को 27.1 ओवर में 83 रन पर समेट कर विश्व कप मैच में बड़ी जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच कोहली ने अपने 35 वें जन्मदिन को यादगार बनाने के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, अपने नायक के रिकॉर्ड की बराबरी करना बहुत बड़ा सम्मान है। वह बल्लेबाजी के मामले में परफेक्ट रहे हैं। यह एक भावनात्मक क्षण है। मैं उन दिनों को जानता हूं जहां से मैं आया हूं, मैं उन दिनों को जानता हूं जब मैंने उन्हें टीवी पर देखा है। उनसे सराहना पाना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। कोहली के शतक के बाद तेंदुलकर ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) में लिखा, शानदार खेल दिखाया विराट। इसी साल की शुरूआत में मुझे 49 से 50 (वर्ष) का होने में 365 दिन लगे। उम्मीद करता हूं कि आप 49 से 50 (शतक) तक पहुंचोगे और अगले कुछ दिनों में मेरा रिकॉर्ड तोड़ोगे। बधाई हो। कोहली से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, तेंदुलकर का संदेश काफी खास है। अभी के लिए यह सब बहुत ज्यादा है। कोहली ने कहा कि प्रशंसकों ने इस मुकाबले को उनके लिए बेहद खास बना दिया। उन्होंने कहा, यह एक चुनौतीपूर्ण मुकाबला था। संभवतः टूनामेंट में अब तक की सबसे कठिन टीम से खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे जन्मदिन को और भी खास बना दिया। मुझे इसके कुछ और होने का एहसास हुआ। जब सलामी बल्लेबाज उस (तेज) अंदाज में शुरूआत करते हैं, तो आपको लगता है कि पिच काफी आसान है।

सत्यार्थ प्रकाश

आर्य समाज का महान ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश जिसके रचयिता स्वामी दयानंद सरस्वती जी हैं, मैं जीवन को सही दिशा में ले जाने के सूत्र हैं और अगर इंसान इसे पढ़े और इसकी शिक्षाओं पर चले तो मानव का कल्याण तो होगा ही बल्कि समाज में भी कुरीतियां दूर होंगी और नैतिक संस्कारों का उजाला होगा। पाठकों की भारी मांग पर इसे प्रस्तुत किया जा रहा है।

जिसमें होते हैं करोड़ों गुण अधिक

सच पूछो तो यही है कि एक राई भर भी यह दंड सबके भाग में न आएगा और जो सुगम दंड दिया जाए तो दुष्ट कर्म बहुत बढ़कर होने लगें। वह जिसको तुम सुगम दंड कहते हो वह करोड़ों गुण अधिक होने से करोड़ों गुण कठिन होता है, क्योंकि जब बहुत मनुष्य दुष्ट कर्म करेंगे तब थोड़ा-थोड़ा दंड भी देना पड़ेगा अर्थात जैसे एक को मन भर दंड हुआ और दूसरे को पाव भर तो पाव भर अधिक एक मन दंड होता है, तो प्रत्येक मनुष्य के भाग में आध पाव बीस सेर दंड पड़ा, तो ऐसे सुगम दंड को दुष्ट लोग क्या समझते हैं? जैसे एक को मन और सहस्त्र मनुष्यों को पाव-पाव दंड हुआ तो सवा छह मन मनुष्य जाति पर दंड होने से अधिक और यही कड़ा तथा वह एक मन दंड न्यून और सुगम होता है। जो लंबे मार्ग में समुद्र की खाड़ियां व नदी तथा बड़ी नदियों में जितना लंबा देश हो उतना कर स्थापन करे और महासमुद्र में निश्चित कर स्थापन नहीं हो सकता, किंतु जैसा अनुकूल देखे कि जिससे राजा और बड़े-बड़े नौकाओं के समुद्र में चलाने वाले दोनों लाभयुक्त हों वैसी व्यवस्था करे। परंतु यह ध्यान में रखना चाहिए कि जो कहते हैं कि प्रथम जहाज नहीं चलते थे वे झूठे हैं। देश-देशांतर द्वीप-द्वीपांतरों में नौका से जाने वाले अपने प्रजास्थ पुरुषों की सर्वत्र रक्षा कर उनको किसी प्रकार का दुख न होने दे॥ 3॥ राजा प्रतिदिन कर्मों की समाप्तियों को, हाथी-घोड़े आदि वाहनों को, नियत लाभ और खरच 'आकर' रत्नादिकों की खानें और कोष (खजाने) को देखा करे ॥4॥ राजा इस प्रकार सब व्यवहारों को यथावत समाप्त करता-कराता हुआ सब पापों को छुड़ाकर परम गति मोक्ष सुख को प्राप्त होता है॥ 5॥

संस्कृति में राजनीति पूरी है

(**पूर्व.**) संस्कृत विद्या में पूरी-पूरी राजनीति है व अधूरी?

(**उत्तर.**) पूरी है, क्योंकि जो-जो भूगोल में राजनीति चली और चलेगी वह सब संस्कृत विद्या से ली है और जिनका प्रत्यक्ष लेख नहीं है उनके लिए-प्रत्यहं लोकदृष्टैश्च शास्त्रदृष्टैश्च हेतुभिः॥ मनु. 8। 3॥ जो नियम राजा और प्रजा के सुख कारक और धर्मयुक्त समझें उन-उन नियमों को पूर्ण विद्वानों की राजसभा बांधा करे। परंतु इस पर नित्य ध्यान रखे कि जहां तक बन सके वहां तक बाल्यावस्था में विवाह न करने दे। ब्रह्मचर्य का यथावत सेवन करना, कराना। व्यभिचार और बहुविवाह को बंद करें कि जिससे शरीर और आत्मा में पूर्ण बल सदा रहे, क्योंकि जो केवल आत्मा का बल अर्थात विद्या ज्ञान बढ़ाए जाएं और शरीर का बल न बढ़ाएं तो एक ही बलवान पुरुष सैकड़ों ज्ञानी और विद्वानों को जीत सकता है। जो केवल शरीर ही का बढ़ाया जाए आत्मा का नहीं तो भी राज्य पालन की उत्तम व्यवस्था बिना विद्या के कभी नहीं हो सकती। बिना व्यवस्था के सब आपस में ही फूट-टूट, विरोध, लड़ाई-झगड़ा करके नष्ट-भ्रष्ट हो जाएं, इसलिए सर्वदा शरीर और आत्मा के बल को बढ़ाते रहना चाहिए।

जो हमें पसंद है

जो चीजें हमें पसंद नहीं हैं उन्हें हम छोड़ देना चाहते हैं और जो चीजें हमें पसंद हैं उन्हें हम पाने की कामना करते हैं। इसे ऐसे भी कहा जा सकता है कि जो मनोज्ञ है उसे हम पाना चाहते हैं और जो अमनोज्ञ है उसे हम अपने से दूर कर देना चाहते हैं। ऐसा न केवल हम चाहते हैं बल्कि उसके लिए श्रम भी करते हैं, पसीना बहाते हैं। असफल होने पर दुखी भी होते हैं। सफल होने पर सुखाभास भी पाते हैं। परंतु यह एक ऐसा बीहड़ है जिस पर न पथ है और न ही मंजिल है। हमारे कदम उस बीहड़ पर लहुलुहान हो जाते हैं। परंतु हम पाते हैं कि मनोज्ञ की प्राप्ति और अमनोज्ञ की विरक्ति जहां की तहां खड़ी है। प्रथम कदम पर जिस पीड़ा और असंतोष से हम भरे हुए थे एक सुदीर्घ यात्रा के बाद भी, एक सघन श्रम के बाद भी हमारी पीड़ा और हमारा असंतोष बढ़ा ही है, न्यून नहीं बना है। न्यून बन नहीं सकता। इस जगत में न कुछ मनोज्ञ है और न कुछ अमनोज्ञ प्रतीत होने लगता है। आज जो रूप हमें फूल-सा दिखाई पड़ता है कल ही वह रूप शूल-सा चुभने लगेगा। आज जो स्वर हमें संगीत प्रतीत होता है कल ही वह कर्ण-स्फोटक प्रतीत होने लगेगा। मनोज्ञ की आसक्ति और अमनोज्ञ की विरक्ति के लिए किया जाने वाला श्रम अन्ततः व्यर्थ सिद्ध हुआ है क्या? पर हम कल के विश्वासी हैं। हम सोचते हैं कि आज तक हमें जो प्राप्त नहीं हुआ है वह कल प्राप्त हो जाएगा। जन्म-जन्मातंर से हम कल के विश्वास पर जीते आए हैं। कल के विश्वास पर जीवन को हार देना अज्ञानी का लक्षण है। स्मरण रखिए, सुख वर्तमान के क्षण में घटित होता है।

मुनि मणिभद्र

अभी और इसी क्षण सुख घटित होता है। मैं ऐसा करूं तो मुझे सुख मिलेगा, सुख के संदर्भ में यह विचार ही मिथ्या है। सुख तो वह है जो इसी क्षण आप को भाव-विभोर बना दे। जो इसी क्षण आपको तृप्त कर दे। उसके लिए आवश्यक है कि आप जीवन का समग्रता से स्वीकार कर लें। चयन को गिरा दीजिए। इस भाव से परिमुक्त बन जाइए कि मुझे यह मिले और यह न मिले। जो हो रहा है उसे सुप्रसन्न चित्त से जीवन का अविभाज्य अंग मानकर जीए। इस भाव से पूर्णतः विमुक्त बन जाइए कि ऐसा हो और ऐसा न हो। जीवन को प्रसाद रूप में ग्रहण कीजिए। फूल मिले कि कांटे, दोनों गले लगाइए। यश मिले कि अपयश, दोनों को स्वीकार कीजिए। सुस्वादु भोजन मिले कि भूखे ही रह जाएं, दोनों अवस्थाओं को मुस्कराकर सम्मान दीजिए। क्योंकि सुख न तो यश में है और न भूख में है। सुख आपके स्वीकार-भाव में है। जीवन में हम प्रायः सभी काम यंत्रवत करते हैं। खाना खाते हैं तो यंत्रवत। सोते हैं तो यंत्रवत। हमारा उठना, बोलना, चलना, दुकान जाना, जो कुछ भी है सब यंत्रवत चलता रहता है।

व्रत एवं त्योहार नवंबर 2023

पर्व	तिथि	वार
सोम नवमी	6 नवंबर	सोमवार
मंगल दशमी	7 नवंबर	मंगलवार
दशमी वृद्धि, भद्रा	8 नवंबर	बुधवार
रमा एकादशी	9 नवंबर	गुरुवार
धनतेरस, यमदीप दान	10 नवंबर	शुक्रवार
शिवरात्रि, हनुमान जयंती	11 नवंबर	शनिवार
दिवाली, महालक्ष्मी पूजन	12 नवंबर	रविवार

धनतेरस

इस बार धनतेरस शुक्रवार 10 नवंबर की पड़ रही है। सागर मंथन के समय भगवान धनवंतरी इस दिन अमृत क्लश लेकर प्रकट हुए थे। इस दिन माता लक्ष्मी धनदेवता कुबेर और मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। इस दिन सोना-चांदी के बर्तन खरीदना बहुत शुभ माना जाता है। राष्ट्रीय पैमाने पर और स्वास्थ्य की दृष्टिकोण से इसीदिन आयुर्वेद दिवस भी मनाया जाता है। अलग-अलग कथाएं प्रचलित है। इस दिन लक्ष्मी, कुबेर और यमराज की पूजा से धन तेरह गुना हो जाता है इसलिए इसे धनतेरस कहते हैं।

हे प्रभु स्थिर बुद्धि का क्या है मतलब

विभिन्न शास्त्रों के मतभेदों को सुनने से विचलित हुई तेरी बुद्धि जब स्थिर हो जायेगी और परमात्मा में निश्चल हो जायेगी, तब तू समत्वरूप योग को प्राप्त हो जायेगा अर्थात परमात्मा से तेरा नित्य संयोग हो जायेगा॥

सम्बन्ध - स्थिर बुद्धिवाले पुरुष के विषय में अर्जुन की जिज्ञासा।

यह सुनकर अर्जुन बोले-हे केशव! समाधि में बुद्धि को स्थिर करके जो परमात्मा को प्राप्त कर लेते हैं ऐसे स्थिर बुद्धिवाले पुरुष के क्या लक्षण होते हैं? वह स्थिर बुद्धि पुरुष कैसे बोलता है, कैसे बैठता है और कैसे चलता है?

प्यारे लाल त्रिवेदी

दोहा - परमात्मा में अवस्थित, स्थिर बुद्धि मनुष्य उसके क्या लक्षण प्रभो, हे केशव सर्वज्ञ॥
उसके आचरण, क्या वचनों में भाव कैसी उसकी अवस्था, जब व्यवहार अभाव ॥

सम्बन्ध - भगवान का उत्तर।

श्रीभगवान बोले-हे पार्थ! जिस समय साधक अपने मन की सभी कामनाओं को पूर्ण रूप से त्याग देता है और अपने-आपसे अपने-आप में ही सन्तुष्ट रहता है, उस समय वह स्थित प्रज्ञ कहा जाता है॥

श्रीमद्भगवद् गीता - सुगम हिंदी व्याख्या

जिसका मन दुःखों की प्राप्ति में उद्वेग रहित है और सुखों की प्राप्ति में जिसकी स्पृहा दूर हो गयी है तथा जिसके राग, भय और क्रोध नष्ट हो गये हैं, ऐसा मनन शील मनुष्य स्थिरबुद्धि कहा जाता है॥

दोहा-लेशमात्र जिसके कभी, वचन और मन माहिं। दुख में हो उद्वेग नहिं, सुख में इच्छा नाहिं।।
क्रोध राग भय सर्वथा, जिसके सब मिट जांय। मननशील योगी वही, स्थिर बुद्धि कहाय॥

जिसकी कहीं आसक्ति नहीं होती, जो शुभ वस्तु को प्राप्त करके प्रसन्न नहीं होता और अशुभ वस्तु को प्राप्त करके द्वेष नहीं करता उसकी बुद्धि प्रतिष्ठित है।।

और जिस प्रकार से कछुवा सब ओर से अपने अंगों को समेट लेता है, उसी प्रकार जिस समय कर्मयोगी इन्द्रियों के विषयों से अपनी इन्द्रियों को सब प्रकार से हटा लेता है, तब उसकी बुद्धि प्रतिष्ठित हो जाती है।।

सम्बन्ध - केवल इन्द्रियों का विषयों से हट जाना स्थित प्रज्ञ का लक्षण नहीं है।

यद्यपि इन्द्रियों के द्वारा विषयों को ग्रहण न करने वाले पुरुष के भी केवल विषय तो निवृत्त हो जाते हैं, परन्तु राग नहीं निवृत्त होता परन्तु इस स्थितप्रज्ञ मनुष्य का तो राग भी परमात्मा का साक्षात्कार करके निवृत्त हो जाता है॥

दोहा- यदि साधन की अवस्था, तीव्र होय वैराग हो जाता है तभी ही, राग वृत्ति का त्याग॥
विषयों से वैराग्य हो, किन्तु न राग निवृत्ति। मिटै राग भी होय जब, परमात्मा अनुभूति॥

सम्बन्ध-रस की निवृत्ति न हो तो क्या आपत्ति है?

हे अर्जुन! राग के रह जाने के कारण ये प्रमथनस्वभाववाली इन्द्रियाँ बुद्धिमान पुरुष द्वारा यत्न करने पर भी उसके मन को हठपूर्वक हर लेती हैं।

सम्बन्ध- रस बुद्धि को दूर कैसे किया जाय?

अतएव कर्मयोगी साधक को चाहिये कि वह उन सम्पूर्ण इन्द्रियों को वश में करके समाहितचित्त होकर मेरे परायण होकर ध्यान में बैठे, क्योंकि जिस पुरुष की इन्द्रियां वश में होती हैं, उसकी ही बुद्धि प्रतिष्ठित होती है।।

सम्बन्ध - भगवान के परायण न होने से क्या होता है?

मनुष्य जिन विषयों का चिन्तन करता है उन विषयों में उसकी आसक्ति हो जाती है। आसक्ति से उन विषयों की कामना जाग्रत होती है और कामना पूर्ण न होने पर कोध उत्पन्न होता है।।

क्रोध से अविवेक अर्थात् अत्यन्त मूढभाव उत्पन्न हो जाता है, मूढ़भाव से स्मृति भ्रष्ट हो जाती हैं। स्मृति भ्रष्ट हो जाने से बुद्धि का नाश हो जाता है और बुद्धि का नाश हो जाने से मनुष्य का पूर्ण पतन हो जाता है।।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज

निरंकारी बाबा हरदेव सिंह

जीवन में जरूरी है मानवता

वे मानवता, प्यार, सद्भाव, एकत्व और भाईचारे के भाव से युक्त होकर इस भाव से संसार में विचरण करते हैं कि जो ज्ञान की रोशनी उनके जीवन में आई है, सभी इस रोशनी से युक्त हो जाएं। वे किसी को पीड़ा नहीं देते, किसी का शोषण नहीं करते। वे निराकार पारब्रह्म परमात्मा को अपने जीवन का आधार मानते हैं और इसी का आधार लेकर अपने जीवन के सफर को तय करते हैं। वे ऐसी मिसाल कायम करते हैं कि उनकी शारीरिक यात्रा संपन्न होने के बाद भी उनकी प्यार और सत्कार वाली शिक्षाएं हमेशा दिलो दिमाग में बसी रहती हैं। वे खुद तो जागरूक होते ही हैं औरों को भी जाग्रत करते हैं कि सकारात्मकता को जीवन में अपनाना है और नकारात्मकता का त्याग करना है। वे हमेशा सकारात्मक सोच और शुकराने के भाव के साथ परमात्मा की बंदगी करते हैं। संसार में केवल गर्ज वाला पैमाना ही देखने को मिलता है लेकिन संतजन बेगर्ज होकर इबादत करते हैं। इतिहास के पन्नों में भी गुरु-पीर-पैगम्बरों के जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आए लेकिन हर हाल में वे मालिक-खालिक के प्रति समर्पित रहे। चाहे किसी भी युग में संतजन आए, किसी भी रूप में आए, किसी भी संस्कृति में पैदा हुए, सभी ने मानवता, प्यार, विनम्रता, करुणा और दया जैसे दिव्य गुणों को ही महत्ता दी। सतयुग, त्रेता, द्वापर, कलियुग हर युग में रहने वाले इंसानों के लिए महापुरुषों की वाणी की अहमियत रही है। जैसे सूर्य की अहमियत युगों पहले भी थी, आज कलियुग में भी है। इसी प्रकार, सत्य और सत्य से नाता जोड़ने की अहमियत कल भी थी, आज भी है और आगे भी रहेगी। संतजनों के वचनों को न मानना अपना नुक्सान स्वयं करना है।

आखिरकार क्या है प्रपंच?

नष्टे पूर्व विकल्पे तु, यावदंयस्य नोदयः।
निर्विकल्पक चैतन्यं, स्पष्टं तावद्विभासते॥

प्रथम विकल्प नष्ट होने के पश्चात जब तक दूसरा विकल्प उत्पन्न नहीं हुआ अर्थात पूर्व विकल्प नष्ट होने के पश्चात दूसरा विकल्प उठने से पहले इन दोनों के मध्य में जो निर्विकल्प अवस्था चित की है, वही अपना निज स्वरूप है। उसी में दृढ़ स्थिति करो, वही सच्चिदानंद आत्मा है। जो मन, बुद्धि को जानता है, किंतु मन, बुद्धि जिसे नहीं जानते, जो देह, इंद्रियों को जानता है, किंतु देह, इंद्रियां जिसे नहीं जानतीं, जो पूर्ण विश्व प्रपंच को जानता है, किंतु विश्व प्रपंच के तत्व जिसे नहीं जानते। बस यह जानने वाला ही आत्मा चेतन है। जो शरीर के अंदर होने वाले काम, क्रोध, लोभ, मोह, मत्सर तथा भूख, प्यास आदि समस्त विकारों को जान रहा है। जो इन विकारों के होने, न होने का अनुभव कर रहा है। वह अनुभव करने वाला अनुभवी ही आत्मा है। जो शरीर में पग के नख से लेकर शिर के शिखा पर्यंत हर अंगों की यथायोग्य सार संभाल रखता है। जो मच्छर व मक्खियों का स्पर्श भी सहन करने को तैयार नहीं, किंचित मात्र भी कहीं कांटा चुभा, मच्छर ने काटा या किसी प्रकार का कोई कष्ट होते ही सुरक्षा के लिए पुरुषार्थ आरंभ कर देता है, बस वही ज्ञान स्वरूप आत्मा है। जिसके बिना शरीर का कोई अंग किसी काम का नहीं, जिसके बिना शरीर काष्ठ व मिट्टी से भी निकृष्ट प्रतीत होता है। बस वही सारे शरीर का रक्षक निराकार चेतन आत्मा है, जो देह इंद्रिय, मन, बुद्धि तथा प्राणों का भी आश्रय है, जिसके सहारे देह, इंद्रिय,मन, बुद्धि तथा प्राण आदि प्रत्येक अंग अवयव यथायोग्य गतिशील हैं। जिसकी सत्ता से बुद्धि में निश्चय, मन में संकल्प-विकल्प तथा इंद्रियों में चेष्टाएं हो रही हैं, जिसके बिना मन, बुद्धि, इंद्रियां तथा प्राण आदि सब निश्चेष्ट हो जाते हैं।

समझ लो मामला गड़बड़ है

अगर आपके मन में एक गरीब का हिस्सा पाने की लालसा भी जम गई तो मामला गड़बड़ है। आपको बुरा लगता है न जब कोई ऐसी बात कहता है, लेकिन चमड़ी के रोग को आवरण से ढांकने भर से क्या उससे मुक्त हो जाओगे? आसक्ति है, जो हमसे कुकर्म कराती है, लोभ है जो हमें निरंकुश कर देता है। जो पदों पर बैठता है उनकी परीक्षा होती है। यह परीक्षा हालात और समाज लेते हैं। जीवन में प्रगति के शिखर पर पहुंचना चाहिए, लेकिन नैतिक मूल्यों को ताक पर रखकर नहीं। सबकुछ हासिल करने के लिए कुछ भी करना ठीक नहीं। यही वो प्रवृत्ति है, जो मन को बेचौन करती है। अपनी आत्मा को कुकर्मों के बोझ से मत दबाओ। हम सब कर्मकांड करते हुए अपनी-अपनी पूजा-पद्धतियों के माध्यम से ईश्वरोपासना करते हैं, लेकिन क्या केवल इस

दीदी मां ऋतंभरा

पूजा-पाठ से ही ईश्वर प्रसन्न होते हैं? बाहर की पूजा के साथ-साथ मानसिक पूजा भी होनी चाहिए यानी जिसमें आप स्वयं सम्मिलित हो गए। कई बार लोग कहते हैं-दीदी मां, दो मिनट को भी हमारा मन पूजा में नहीं लगता। मेरा कहना है कि चौबीसों घंटे जगत में भटक सकते हो, लेकिन दो मिनट के लिए दत्त चित्त होकर मंदिर में नहीं बैठ सकते? क्यों? क्योंकि मन के अंदर प्रभु के लिए प्रीति की प्रबलता नहीं है। तीन घंटे सिनेमा हाल के अंदर पर्दे पर आंखें गड़ाए रह सकते हो, घर फोडू सीरियलों को घंटों बैठकर देख सकती हो लेकिन मां भगवती के चरणों में बैठने पर बेचैनी होती है। इसका अर्थ है कि आपके जीवन के जो पाप हैं, दुष्प्रवृत्तियां हैं वो आपको शुभ जगह पर टिकने नहीं देते, इसलिए योग्यता अर्जित करना, अधीर होकर प्रभु को पुकारना। ऐसी पुकार जो हमें उनको पाने के लिए व्याकुल कर सके। बरसात में जैसे कोई टूटी हुई छत टपकती है न ऐसे ही हमारी आंखें टपकती हैं जब कोई अपमान कर देता है हमारा लेकिन हे नाथ, ऐसी कृपा कर दो कि अब किसी मान-अपमान में नहीं बल्कि आपके ध्यान में इन आंखों से आंसू बह निकलें। अपनी तमाम पूजा-पद्धतियों के बीच क्या कभी कोई ऐसा क्षण भी आता है जब हमें अपने ईश्वर के प्रति अहोभाव आता हो?

कपास के फूल को चुन कर गोस्वामी जी क्या संदेश देना चाह रहे थे?

गोस्वामी जी ने एक बार, एक माँ को अपने लल्ला को दुलारते देखा। वह अपने लल्ला को चूमते हुए कहती है, हाय रे मेरा लल्ला! कितना सुंदर है। मुखड़ा तो बिल्कुल ऐसा है, मानों गुलाब का फूल हो।

बस फिर क्या था। उसी समय गोस्वामी जी जब संतों की महिमा लिखने वाले थे। उन्होंने भी सोचा, कि मैं भी तो संतों से इतना प्रेम करता हूँ। उनके दिव्य चरित्र की सुंदरता में मुझे भी अगर कुछ लिखना हो, तो क्यों न मैं भी उनके पावन चरित्र का मिलान, किसी फूल से करूँ। इस विषय पर उन्होंने बहुत सोचा, लेकिन हर बार वे कहते, कमल का पुष्प कैसा रहेगा---?---नहीं-नहीं! कमल के फूल पर तो भगवान विष्णु बैठते हैं। उनसे संतों के चरित्र की तुलना मर्यादित सा नहीं लगेगा। तो गेंदे का फूल कैसा रहेगा? लेकिन शायद वह भी ठीक नहीं होगा। क्योंकि उसमें तो अनेकों ही रंग होते हैं। क्या मेरे संत ऐसे ही रंग बदलते रहते हैं? बिल्कुल नहीं। उनका तो सुख-दुख जैसे हर मौसम में एक ही रंग रहता है, और वह है आनंद ही आनंद। अगर गेंदा का पुष्प भी ठीक नहीं, तो फिर कौन से फूल से मैं, मेरे प्रिय संतों की तुलना करूँ---?

काफी समय इस विषय पर चिंतन करने के पश्चात, गोस्वामी जी ने एक फूल को चुना। जिससे संतों के पावन चरित्र का मिलान किया जा सकता था। क्या आप जानते हैं, कि वह पुष्प कौन-सा था? निश्चित है, कि आप भी उस पुष्प का नाम सुनकर हँस पड़ेंगे। जी हाँ! वह फूल था कपास का फूल। क्या---कपास का फूल?--- जी हाँ! आपने बिल्कुल ठीक सुना। गोस्वामी जी ने कपास के पुष्प को ही चुना।

लेकिन आश्चर्य की बात है, कि कपास के पुष्प में ऐसी क्या सुंदरता थी, जो उन्होंने संतों की महिमा के लिए उसे चुना? यह पुष्प तो मंदिर या किसी अन्य देवालय में भी नहीं चढ़ते देखा। पूजा की थाली ने तो ऐसे किसी पुष्प की कभी कल्पना भी नहीं की होगी। अधिक क्या कहें, कपास का पुष्प तो कभी, किसी सुंदर स्त्री के बालों का श्रृंगार भी नहीं बना होगा।

स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज

देश भर में अपनी अमृत धारा से सत्य की अनुभूति देशवासियों को कराने वाले राष्ट्र संत गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज के सौजन्य से लाखों लोग लाभ उठा रहे हैं उनके प्रवचनों पर आधारित यह ज्ञान गंगा पाठकों का कल्याण करेगी ऐसा विश्वास है।

जब बनती है जागरुकता

श्वांस चल रहे हैं-इतना ही ध्यान रखें। वृत्ति को पूर्णतः एकाग्र हो जाने दें श्वांसों की गति के साथ। मंत्रोच्चारण धीरे-धीरे स्वतः छूट जाएगा। इसे छूट जाने दीजिए-आप सतर्क रहिए। आपकी जागरुकता बनी रहे श्वांसों की गति के साथ। ऐसी जागरुकता बन जाने पर प्रमाद एवं निद्रादि के आप पर आक्रमण की कोई संभावना ही नहीं रह जाएगी। अब इनके लिए आपके मार्ग विघ्न उपस्थित करने का कोई अवसर ही नहीं बचेगा, क्योंकि आप श्वांस की प्रत्येक गति के साथ अपनी सतर्कता एवं जागरुकता बनाए हुए हैं। सतर्क रहिए अपनी सतर्कता के प्रति, जागरुकता के प्रति। अन्य कुछ भी करने की आवश्यकता के समक्ष मन की तनिक भी दाल नहीं गल पाएगी। इस विधि को आप भली-भांति आजमा सकते हैं। यह पूर्ण व्यवहार्य है और सहज भी। यदि यह विधि पढ़ने पर आपको रुचिकर लगी है तो अवश्य ही इसे व्यवहार में लाने का प्रयास कीजिए। इसके अनुसार ध्यान में अपने को जमाने के लिए तत्पर हो जाइए। निश्चत ही एकाग्रता लाभ करने हेतु यह विधि आपके लिए एक वरदान सिद्ध होगी-एक बार इसे करके तो देखिए।

मन की एकाग्रता

आरंभ में मंत्रोच्चारण पर ध्यान दीजिए लेकिन इस आग्रह में पड़कर नहीं कि मंत्रोच्चारण चलता ही रहे। यदि कुछ समय श्वासों की गति के साथ मंत्र का क्रम जारी रहता है तो रहने दीजिए और यदि ऐसा नहीं है तो भी ठीक है। इस विषय में अपनी ओर से कोई संघर्ष न करें। ध्यान में बैठने के साथ ही प्रत्येक श्वास में मंत्र की धुन एक बार समा जाए। तदोपरांत ध्यान दें मात्र सतर्क रहने पर-जागते रहें...देखते रहें कि श्वासों की गति चल रही है... मैं साक्षी हूं। मंत्र का उच्चारण हो रहा है-मैं साक्षी हूं, द्रष्टा हूं। अब अपने को केवल साक्षी भाव स्थित कर दें। इसके पश्चात कहीं भी किसी से स्वयं को संबंधित न करें। वास्तव में साक्षी का किसी के साथ कोई संबंध है ही कहां? स्वयं को साक्षी या द्रष्टा न मानकर ही आप मिथ्या संबंधों की उलझन में आ गए हैं।

फजाइले अमाल

रोजेदार को ऐहतमाम जरूरी है

कौन बीमारी है यारब जो नहीं मुझमें हुई,
आफिनी मिन् कुल्लि दाइन वक्जि अन्नी हाजती।
इन-न ली कल्बन सकीमन, अन-त शाफिन लिल् अलील॥

तीसरी चीज जिसका रोजेदार को एहतमाम जरूरी है, वह कान की हिफाजत है। हर मकरूह चीज से जिसका कहना और जबान से निकालना नाजायज है, इसकी तरफ कान लगाना और सुनना भी नाजायज है। पैगंबर साहब का इर्शाद है कि गीबत का करने वाला और सुनने वाला दोनों गुनाह में शरीक हैं। चौथी चीज बाकी आजा-ए-बदन, मसलन हाथ का नाजायज चीज के पकड़ने से, पांव का नाजायज चीज की तरफ चलने से रोकना और इसी तरह और बाकी आजा-ए-बदन का, इसी तरह पेट का इफ्तार के वक्त मुश्तबहा चीज से महफूज रखना, जो शख्स रोजा रखकर हराम माल से इफ्तार करता है, उसका हाल उस शख्स का सा है कि किसी मर्ज के लिए दवा करता है, मगर उसमें थोड़ा सा संखिया मिला लेता है कि उस मर्ज के लिए तो वह दवा मुफीद हो जाएगी, मगर यह जहर साथ ही हलाक भी कर देगा। पांचवीं चीज इफ्तार के वक्त हलाल माल से भी इतना ज्यादा न खाना कि शिकम सेर हो जाए, इसलिए कि रोजे की गरज इससे फौत हो जाती है। मक्सूद रोजे से कूवते शहवानिया और बहीमिया का कम करना है, कूवते नूरानिया और मलकिया का बढ़ाना है। गरज ग्यारह महीने तक बहुत कुछ खाया है, अगर एक महीना इसमें कुछ कमी हो जाएगी तो क्या जान निकल जाती है। मगर हम लोगों का हाल है कि इफ्तार के वक्त तलाफि-ए-माफात में और सहर के वक्त हिफ्जे मा तकद्दुम में इतनी ज्यादा मिक्दार खा लेते हैं कि बगैर रमजान के और बगैर रोजे की हालत के इतनी मिक्दार की खाने नौबत भी नहीं आती।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक से मारपीट करने वालों के खिलाफ अस्पताल कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

प्रखर सहजनवां, गोरखपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवा में 6 नवम्बर दिन सोमवार को आकस्मिक सेवाओं के समय कुछ अराजक तत्वों के द्वारा चिकित्सा अधिकारी व कर्मचारियों को मारने-पीटने तथा अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया।इस मामले में चिकित्सा कर्मी दर्जनों कि संख्या में एकत्रित होकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवां मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया। मिली जानकारी के अनुसार 5 नवंबर को समय रात्रि लगभग 11 बजे सहजनवा थाना क्षेत्र के रुदौली उर्फ मठिया निवासी संध्या त्रिपाठी पत्नी बृजराज त्रिपाठी की आकस्मिक तबियत बिगड़ जाने के कारण परिजनों द्वारा उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहजनवां लाया गया था। अस्पताल कर्मियों के मुताबिक उनका उपचार किया जा रहा था ठीक इसी दौरान उनके साथ आए हुए चार-पांच व्यक्तियों द्वारा जो शराब के नशे में थे चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को गालियां देने लगे जिसका विरोध करने पर अस्पताल कर्मियों को उक्त लोगों ने बेरहमी से मारा-पीटा सहजनवां थाना में दी गई तहरीर में अधिक्षक व्यास कुशवाहा ने बताया उक्त लोगों ने कुछ ही समय में अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा काटा जो दरवाजा तोड़ने,ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को छती पहुंचाने के साथ सरकारी कार्य में बाधा भी उत्पन्न किया। जिसका साक्ष्य अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद है । दर्जनों की संख्या में एकत्रित चिकित्सा कर्मचारियों ने प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से उक्त प्रकरण को गंभीरता पूर्वक संज्ञान में लेकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है । जबकि मामले में मौके पर आये मरीज संध्या त्रिपाठी और वहां मौजूद कुछ प्रत्यक्ष दर्शियों से बात की गई तो उन्होंने बताया की मारपीट जैसी कोई घटना नहीं हुई है । रात्रि में चिकित्सा केंद्र पहुंचने पर अस्पताल कर्मी सो रहे थे। जो मौके पर उपचार न देकर किसी निजी अस्पताल में जाने कि बात करने लगे।जिस बात को लेकर अस्पताल कर्मियों से मरीज के साथ आए हुए लोगों से कुछ मामूली कहा सुनी हुई। घटना के बाद कुछ नामचीन लोगों के प्रभाव में आकर अस्पताल कर्मी मामले को तुल देने का प्रयास कर रहे है।

भारत स्काउट गाइड संस्था संत कबीर नगर के द्वारा लोगों को मार्ग दुर्घटनाओं से जागरूक करने के लिए रैली का शुभारंभ किया गया

प्रखर संतकबीरनगर। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत भारत स्काउट गाइड संस्था संत कबीर नगर के द्वारा हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज से लोगों को मार्ग दुर्घटनाओं से जागरूक करने के लिए एक जागरूकता रैली का शुभारंभ किया गया रैली को सहायक प्रादेशिक आयुक्त राकेश सैनी, जिला सचिव रवि प्रकाश श्रीवास्तव, विद्यालय के वरिष्ठ प्रवक्ता अरुण कुमार ओझा, उदय भानपटेल, अभिषेक कुमार सिंह मुकेश कुमार एवं रविंद्र कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला संगठन कमिश्नर रमेश चंद्र यादव के नेतृत्व में यातायात जागरूकता रैली हीरालाल रामनिवास इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर मेहदावल चौराहे तक लोगों को हेलमेट पहनने के लिए, तीन लोगों को एक साथ बाइक पर न चलने के लिए के लिए नारे लगाते हुए सड़कों पर जागरूक किया गया। इस अवसर पर विकास कुमार, शोएब अख्तर, प्रियांशु कुमार एवं पियूष उपाध्याय के द्वारा रैली का नेतृत्व किया गया। रैली में यातायात पुलिस इंस्पेक्टर एवं यातायात के पुलिस के द्वारा सहयोग किया गया।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 2 निःशुल्क एल०पी०जी० सिलेंडर रिफिल दो चरण में किए जायेंगे वितरित

प्रखर संतकबीरनगर। जिला पूर्ति अधिकारी राजीव शुक्ल ने बताया कि जनपद संत कबीर नगर के समस्त उज्ज्वला गैस कनेक्शन लाभार्थियों को सूचित किया है कि शासन की मंशा के अनुसार प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत आपको 02 निःशुल्क एल०पी०जी० सिलेंडर रिफिल प्रदान किये जायेंगे, जोकि दो चरण में दिये जायेंगे। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में प्रथम सिलेंडर रिफिल माह नवम्बर से दिसम्बर 2023 तक एवं द्वितीय सिलेंडर रिफिल जनवरी से मार्च 2024 तक निःशुल्क प्रदान किया जायेगा। इस योजना से आच्छादित लाभार्थी अपने स्तर से उपभोक्ता दर के अनुसार भुगतान कर रिफिल प्राप्त करेगा, जिसके उपरांत इस योजनांतर्गत दी जाने वाली सब्सिडी उसके आधार प्रमाणित खाते में तेल विपणन कंपनी द्वारा अंतरित की जायेगी।

नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप से पीड़ितों की मदद के लिए 11 एनडीआरएफ वाराणसी ने भेजी राहत सामग्री

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 3 नवंबर को नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप में सैंकड़ों की संख्या में लोगों ने अपने जीवन को खोया और हजारों की संख्या में लोग घायल हैं दुःख की इस भयावह स्थिति में पीड़ितों की मदद करने के लिए एनडीआरएफ वाराणसी द्वारा विशेष रूप से आवश्यक राहत सामग्री को वाहिनी मुख्यालय, गौतम बुद्ध भवन चौकाघाट से बाबतपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना किया गया` जहां टीम के बचावकर्मियों ने वायुसेना की विशेष विमान में राहत सामग्री को लोड किया तत्पश्चात वायुसेना के विमान ने नेपाल के लिए उड़ान भरी। उप महानिरिक्षक मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि आपदा के समय एनडीआरएफ हमेशा जरूरतमंदों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहती है आज भी इस मुश्किल घड़ी में एनडीआरएफ नेपाल की मदद के लिए खड़ी है राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया रिजर्व (एनडीआरआर) से एनडीआरएफ वाराणसी द्वारा तीन ट्रकों को राहत सामग्री के साथ भेजा गया है इसके अतरिक्त एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीमें भी सभी प्रकार के राहत-बचाव के आधुनिक उपकरणों के साथ तैयार है जरुरत पड़ने पर टीम को अविलम्ब रवाना किया जायेगा ` आज की राहत सामग्री की रवानगी में द्वितीय कमान अधिकारी अमित कुमार सिंह की अगुवाई में बचाव कर्मियों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए अपनी भूमिका निभाई।

त्योहारों के मद्देनजर खाद्य विभाग ने की छापेमारी, जिले भर से 10 नमूने किए एकत्र

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के आदेश पर आर0सी0 पाण्डेय सहायक आयुक्त खाद्य गाजीपुर के निर्देशन में दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूध पर्व के अवसर पर जनपद गाजीपुर के आम जनमानस को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कुल 10 नमूनें संग्रहित किये गये, जिसके अनुसार तलिया गाजीपुर स्थित प्रकाश कुमार के प्रतिष्ठान से बूँदी के लड्डू का 01 नमूना, युसुफपुर मुहम्मदाबाद गाजीपुर स्थित फैमिली मेगा मार्ट से छोहाडा एवं काजू का 01-01 नमूना, युसुफपुर मुहम्मदाबाद गाजीपुर स्थित सुनील के प्रतिष्ठान से बादाम पट्टी का 01 नमूना, महेशपुर मुहम्मदाबाद गाजीपुर स्थित अनिल के प्रतिष्ठान से रस्क का 01 नमूना, फूल्लनपुर निकट रेलवे क्रासिंग गाजीपुर स्थित मृत्युंजय कुमार के प्रतिष्ठान से लकठा (गुड, मैदा, चावल) का 01 नमूना, नोनहरा रोड कठवामोड़ गाजीपुर स्थित राधेश्याम की डेयरी से मिश्रित दूध का 01 नमूना, नोनहरा रोड कठवामोड़ गाजीपुर दूधिया धनंजय से मिश्रित दूध का 01 नमूना, नोनहरा रोड कठवामोड़ गाजीपुर दूधिया अनिल यादव से गाय का दूध का 01 नमूना, नोनहरा रोड कठवामोड़ गाजीपुर स्थित यदुवंशी डेयरी से पनीर का 01 नमूना, संग्रहित नमूनें खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उ0प्र0 प्रेषित किये जा रहें है, जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की जायेगी। नमूना संग्रह की कार्यवाही आर0पी0 सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी गाजीपुर के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों अवधेश कुमार, गुलाब चन्द गुप्त, गोपाल चन्द, समला प्रसाद यादव, राजीव कुमार सिंह एवं विरेन्द्र यादव की टीम द्वारा की गयी।

शोकसभा आयोजित कर सदर को अर्पित की श्रद्धांजलि

प्रखर जौनपुर। जौनपुर की शाही ईदगाह कमेटी के सदर (अध्यक्ष) मिर्जा दावर बेग का आकस्मिक निधन पिछले हफ्ते हो गया था इसके लिए शाही ईदगाह के प्रांगण में एक शोक सभा (ताजीयती जलसा) का आयोजन किया गया ,जिसमें तिलावत ए कुरान ए पाक हाफिज सलमान ने किरत कर कार्यक्रम का आगाज किया,शौक सभा शाही ईदगाह कमेटी के वरिष्ठ मेंबर अबूजर अंसारी की सदारत में हुआ ,इस मौके पर हाफिज शाह ने मिर्जा दावर के समाज के लिए किए गए कार्यों को याद किया वही सेक्रेटरी मो शोएब अच्छू खा ने बताया कि मिर्जा दावर ईदगाह कमेटी के लंबे समय तक सदर रहे उनके कार्यकाल में ईदगाह के अंदर बहुत सारे कार्य किए गए जिनको हमेशा याद किया जाएगा,रियाजुल हक ने कहा कि दावर साहब के कार्यों के लिए उनको हमेशा याद किया जाएगा,कार्यक्रम का संचालन नेयाज ताहिर शेखू ने किया। अंत में मरहूम की कब्र पर जाकर लोगों ने फातिहा पढ़कर उनकी आत्मा की शांति के लिए दुआ की,इस मौके पर मुख्य रूप से कमेटी के हाजी इमरान,एडवोकेट समीम, सभासद शाहनवाज मंजूर, हुमायूं जफर बबलू ,जफर राजा,अजीम जौनपुरी,कमालुद्दीन अंसारी, ताज मोहम्मद,आदि लोग मौजूद रहे।

10 नवंबर को मनरेगा श्रमिक मुख्यमंत्री को सौंपेंगे 14 सूत्रीय पत्रक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मनरेगा मजदूर संघ ने अपनी मांगों को लेकर 10 नवंबर को मुख्यमंत्री को सौंपेंगे पत्र। मनरेगा मजदूर संघ के जिला सचिव प्रमोद यादव ने अपने पदाधिकारियों संघ संगठन कार्यालय फुल्लनपुर में बैठक किया जिसमे बताया की मनरेगा मजदूर के 14 सूत्रीय मांगों को लेकर सूबे के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को पत्रक जिलाधिकारी के माध्यम से दिया जायेगा। 14 सूत्रीय मांगो के अनुसार उन मनरेगा श्रमिकों अथवा ग्रामीण बेरोजगारों के काम अथवा जॉब कार्ड की आवेदन पत्र को रोजगार सेवक या ग्राम सचिव प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त करें और पार्वती रसीद दें वह भी दिनांक वह हस्ताक्षर युक्त जिनका आवेदन मनरेगा मजदूर संघ के ग्राम सभा अध्यक्ष के द्वारा किया जाए। मनरेगा अधिनियम के निदेर्शानुसार सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु ग्राम सभा में मनरेगा निगरानी समिति का गठन किया जाए और उसका अध्यक्ष ग्राम सभा अध्यक्ष मनरेगा मजदूर संघ को बनाया जाए। सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु ब्लॉक स्तर पर मनरेगा चौकसी समिति का गठन किया जाए और उसका अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष मनरेगा मजदूर संघ को बनाया जाए। जनपद स्तर पर मनरेगा जिला निगरानी समिति का गठन किया जाए और उसका अध्यक्ष जिला अध्यक्ष मनरेगा मजदूर संघ को बनाया जाए। श्रमिकों को सही तरीके से श्रम विभाग में पंजीकरण होकर संचालित योजनाओं में जनपद के श्रमिकों का योजनाओं में आवेदन होकर सही तरीके से और समय से लाभ प्राप्त हो सके इसके लिए जनपद स्तर पर श्रमिक पंजीयन समिति का गठन किया जाए और उसमें जिला अध्यक्ष मनरेगा मजदूर संघ को अध्यक्ष बनाया जाए। अब तक मनरेगा मजदूर संघ के पदाधिकारी द्वारा 90 दिन कार्य पूर्ण कर चुके श्रमिकों के एकत्र किए गए विवरण पत्र को श्रम प्रवर्तन अधिकारी रिसीव करके शीघ्र पंजीकरण राशिद श्रमिकों को प्रदान करके पात्रता के अनुसार योजना में आवेदन करने का निर्देश दिया जाए। अब तक मनरेगा में कार्य करने के इच्छुक ग्रामीण बेरोजगार और मनरेगा श्रमिकों का ग्राम सभा स्तर पर विकासखंड स्तर पर प्रस्तुत किए गए काम की मांग पत्र के अनुसार नियत समय के अंतर्गत मास्टर रोल निकालकर कार्य प्रदान किया जाए और इसकी सूचना संबंधित कार्यदाई संस्था द्वारा लिखित रूप से मनरेगा मजदूर संघ को दिया जाए। कार्य कर रहे श्रमिकों को प्रथम दिन से ही कार्य स्थल पर सभी आवश्यक सुविधाएं जैसे स्वच्छ जल स्वास्थ्य किट छाया की व्यवस्था मस्टरोल की छाया प्रति तथा कार्य करने हेतु सभी आवश्यक उपकरण जैसे फैसला फावड़ा आदि मांग के अनुसार शिशु सदन की व्यवस्था किया जाए।

ब्लॉक स्तरीय खेल प्रतियोगिता सकुशल संपन्न

विजेता बच्चों को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र से किया गया सम्मानित

प्रखर वाराणसी। बेसिक शिक्षा परिषद वाराणसी के ब्लाक चोलापुर के परिषदीय विद्यालयों की ब्लॉक स्तरीय खेल रैली उच्च प्राथमिक विद्यालय मुनारी के खेल मैदान पर सकुशल संपन्न हुई। ब्लॉक चोलापुर के कुल 133 परिषदीय विद्यालयों के होनहार बच्चों ने अपने खेल कौशल का भरपूर प्रदर्शन किया। पूरा मैदान दर्शकों से भरा हुआ था। बच्चों ने अपनी पूरी मेहनत, क्षमता और उत्साह के साथ अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया। कबड्डी, खो खो, वॉलीबॉल दौड़, कुश्ती, गोलाफेक इत्यादि प्रतिस्पर्धा में बच्चों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। खंड शिक्षा अधिकारी चोलापुर ब्रजेश कुमार राय ने इस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया तथा उनके साथ-साथ ब्लॉक के सैकड़ो अध्यापकों ने अपनी भरपूर ऊर्जा के साथ खेलों को संपन्न कराया तथा शाम को खेलों का समापन खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी चोलापुर ने अपने संबोधन में कहा कि खेलकूद से बच्चों का शारीरिक मानसिक और सामाजिक विकास होता है एवं बच्चों में नेतृत्व की क्षमता विकसित होती है। 400 मीटर दौड़ में शिवानी ने प्रथम स्थान अर्जित किया। 200 मीटर में अंशिका पाल प्रथम, लंबी कूद में प्रियांशु प्रथम, गोला फेक में अंकित प्रथम तथा इसी प्रकार से सभी खेलों में बच्चों ने अपने प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी चोलापुर के साथ-साथ चोलापुर के सैकड़ो शिक्षकों ने भी आयोजन में अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित कराई। ब्लॉक व्यायाम शिक्षक प्रेम चौधरी तथा सीनियर अध्यापक बसंत यादव ने पूरे आयोजन की रूपरेखा तैयार किया। खेल में जीत हासिल करने वाले बच्चों को खंड शिक्षा अधिकारी चोलापुर ब्रजेश राय तथा राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के कार्यकारी जिला अध्यक्ष ज्योति प्रकाश ने बच्चों को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राजेश यादव, अरविंद दीक्षित, सत्येंद्र मिश्र,ज्योति प्रकाश, सुमन चौबे, गोरखनाथ यादव, नीलम सिंह, अनीता, सौम्या सिंह, सुषमा उपाध्याय, दीपिका सिंह, बंदना मौर्य, फूलशंकर, दुर्गा सिंह, रमेश यादव, चंदन विश्वकर्मा, बनारसी यादव, अवनीश सिंह, शिवकुमार तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय मुनारी के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। कॉमेंटेटर के रूप अखिलेश यादव तथा धनंजय ने सभी का भरपूर मनोरंजन किया। विजेता बच्चे आगे जिला खेल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगें।

आगामी त्योहारों को लेकर पुलिस सख्त, लोगों पर रख रही नजर

प्रखर जौनपुर। दिवाली के त्योहार को शांति और सौहार्द से मनाने के लिए पुलिस-प्रशासन ने पूरी तरह से कमर कस ली है। सड़कों पर आम जनमानस की सुरक्षा के लिए अधिकारी पैदल गश्त कर रहे हैं। वही जनपद में स्थित बैंकों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा के निर्देशन में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण एवं समस्त थाना,चौकी प्रभारियों द्वारा बैंकों व उसके आस-पास सघन चेकिंग की जा रही है। थाना व चौकी प्रभारियों सहित चेकिंग हेतु गठित पुलिस टीमों द्वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत सभी बैंक ,पोस्ट ऑफिस, ग्राहक सेवा केंद्र व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, सरार्फा बाजार व उसके आसपास संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है । इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा सुरक्षा के दृष्टिगत बैंक प्रबंधकों से वार्ता की गयी तथा आपातकालीन सुरक्षा उपकरणों की चेकिंग तथा बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरों व अलार्म की भी व्यवस्था परखी गई तथा अनावश्यक रुप में घूमने वाले व्यक्तियों को आवश्यक हिदायत दी गयी ।इस दौरान बैंक सुरक्षा ड्यूटी में लगे सुरक्षाकर्मियों एवं पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

संक्षिप्त खबरें

1 जनवरी 2024 से पूरे देश के राशन डीलर करेंगे हड़ताल : विशम्भर बासु

प्रखर दिल्ली। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन की अति आवश्यक बैठक दिल्ली के मुक्तधारा एटोरियम मे बुलाई गई थी। बैठक में 22प्रदेशो से राष्ट्रीय पदाधिकारी प्रदेश अध्यक्ष भाग लिया।बैठक में राष्ट्रीय महासचिव विशम्भर बासु ने कहा कि केन्द्र सरकार हमलोगों के छलवा किया है। हमलोगों को कमीशन व मानदेय देने की बात कह के अब राज्य सरकार के ऊपर छोड रही है। इसलिए अब हम लोग सरकार को और मौका नहीं देंगे।1दिसम्बर से हर प्रदेश में बैठक करके संघर्ष करें।तथा 1जनवरी 2024से पूरे देश हड़ताल किया जायेगा।तथा 16जनवरी2024को रामलीला मैदान दिल्ली में धरना प्रदर्शन संसद का घेराव किया जायेगा।बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ओमकार नाथ झा कृष्णमूर्ति राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश तिवारी डीएन पाटिल धरनीधर बोरा दिल्ली के शैलेश गर्ग राष्ट्रीय सचिव गिरीश तिवारी करमजीत सिह लक्ष्मी पाण्डेय अशोक कुमार सुनील गुप्ता मेरठ आदि लोग मौजूद थे।

गुण्डा एक्ट में निरुद्ध अपराधी हुआ जिला बदर

प्रखर पिंडरा वाराणसी। कई आपराधिक मामलों में शामिल व सक्रिय तथा गुंडा एक्ट में निरुद्ध छताव निवासी अजित सिंह को तीन माह के लिए जिला बदर किया गया। सिंधोरा थानाध्यक्ष अखिलेश वर्मा ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देश पर रविवार को छताव निवासी अजीत उर्फ मटरू को तीन माह के लिए जिला बदर किया गया। इसकी सूचना उसके परिजनों को देने के बाद आदेश घर पर चस्पा भी कर दिया गया। उसके ऊपर कई आपराधिक मामलों के साथ गुंडा एक्ट की कार्रवाई हुई है।

चोरी की मोटरसाईकिल, तमंचा व कारतूस संग एक अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा के कुशल पर्यवेक्षण में थाना दुल्लहपुर पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान रविवार सायं 8.30 बजे नायकडीह मार्ग पर रामपुर पतारी से एक अभियुक्त शिव कुमार पुत्र गुड्डु राम नि0 महलीपुर थाना सरायलखंशी जनपद मऊ को गिरफ्तार किया गया । जिनके पास से एक अदद चोरी कि मोटरसाइकिल बिना नं0 के अपाचे व एक अदद तमंचा व एक अदद जिन्दा कारतुस 315 बोर बरामद हुआ । जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर पंजीकृत धारा 411 भादवि0 व 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम शिव कुमार पुत्र गुड्डु राम नि0 महलीपुर थाना सरायलखन्शी जनपद मऊ के विरुद्ध पंजीकृत किया गया । अभियुक्त के विरुद्ध अन्य विधिक कार्यवाही सम्बन्धित थाने द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक जयदीप थाना दुल्लहपुर, हेड कांस्टेबल रमेश यादव थाना दुल्लहपुर, हेड कांस्टेबल संतोष पाण्डेय, कांस्टेबल बलवीर यादव थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

डीएम ने क्षय रोग के मरीजों को पोषण किट का किया वितरण, शीघ्र स्वस्थ होने की दी शुभकामनाएं

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में डाक्टर्स फार यू संस्था द्वारा गोद लिए गये 25 टी0बी0 मरीजो को पोषण किट का वितरण किया गया। जिलाधिकारी ने मरीजों को पोषण किट वितरित करते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दिया तथा कहा कि इलाज को अधूरा ना छोडें और पोषण सहायता व डी बी टी का समुचित उपयोग अपने पोषण आहार हेतु करे। इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डा एस0डी0 ओझा, उप जिला क्षय रोग अधिकारी, सूचना अधिकारी सुरेश कुमार सरोज, जिला कार्यक्रम समन्वयक, एसटीएस मगहर तथा डाक्टर्स फार यू संस्था से अभिजीत आनन्द, राजेन्द्र प्रसाद यादव, सज्जन कुमार सिंह, नवीन कुमार आदि उपस्थित रहे।

विभिन्न स्कूलों के बच्चों से पुलिस अधीक्षक ने किया संवाद, यातायात नियमों की दी जानकारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा पुलिस लाइन गाजीपुर में विभिन्न स्कूलों से आए हुए बच्चों से संवाद किया गया तथा उनकी बातों को सुना गया। इस संवाद मे महोदय द्वारा छात्र एवम छात्राओं को मिशन शक्ति तथा इससे संबंधित हेल्पलाइन नंबर,यातायात नियमों का पालन करने के संबंध में जानकारी दी गई। बच्चों द्वारा अपने भविष्य को लेकर पूछे गए विभिन्न सवालों का जवाब पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा दिया गया तथा उन्हें अपने भविष्य का चुनाव अपनी रुचि के अनुसार करने के लिए प्रेरित किया गया। यह बताते चलें कि जनपद पुलिस द्वारा यातायात माह मनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत जनपद भर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अभियान चलाकर आम नागरिकों को जागरुक किया जा रहा है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं